बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–IX & X

विषय–सामाजिक विज्ञान

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

Catch-Up Course

सेतु – सामग्री

कक्षा–IX & X

विषय–सामाजिक विज्ञान

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शिक्षकों के लिए निर्देश

आप सभी अवगत हैं कि पिछले लगभग 10 माह से कोविड 19 के कारण विद्यालयों में बच्चों का पठन–पाठन सहित अन्य शैक्षणिक कार्य बाधित रहा है जिसके कारण उनके सीखने की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो गई है। इस लंबे और त्रासद अंतराल ने इस दौरान सीखने के अपेक्षित अवसरों को, खास कर विद्यालय में, कम कर दिया जिसके कारण बच्चों में Learning Gap बढ़ गया है। अतः ये आवश्यक और अपेक्षित है कि इस Learning Loss या Gap को कम किया जाय। शिक्षा से जुड़े विभिन्न हितधारकों से व्यापक विचार–विमर्श के उपरांत राज्य स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि बच्चों के सीखने सिखाने की प्रक्रिया को गति प्रदान करने और उनमें अगली कक्षा की दक्षताओं के प्रति तत्परता उत्पन्न हो सके, इसके लिए अगले तीन महीनों के लिए कोविड काल से सम्बन्धित कक्षा के लिए, अधिगम प्रतिफलों के आलोक में विषय वस्तु को इस तरह तार्किक और संतुलित रूप से कम करते हुए प्रस्तुत किया जाय कि Learning Loss या Gap को कम किया जा सके। इसके लिए तीन माह का Catch-Up-Course विकसित करते हुए पाठ्य–पुस्तक से उन सामग्रियों/विषय वस्तुओं/गतिविधियों की पहचान की गई जिनके माध्यम से बच्चों के Learning Loss या Gap को कम करते हुए अपेक्षित अधिगम प्रतिफल सुनिश्चित कर उन्हें अगली कक्षा के लिए तैयार और तत्पर किया जा सके। वस्तुतः चिन्हित सामग्री/विषय वस्तु/गतिविधियां, क्रियाकलाप तथा शिक्षण रणनीति पूर्व और अगली कक्षा के लिए सेतु का कार्य करेगी।

वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंडर के अन्तर्गत Catch-Up-Course और चयनित विषय वस्तु के आलोक में बच्चों में अपेक्षित अधिगम प्रतिफल सुनिश्चित हो सके इस हेतु निम्न तथ्यों को ध्यान में रखा जाना अपेक्षित है।

–कोविड– 19 की सुरक्षा से सम्बन्धित सभी विभागीय निर्देशों एवं प्रावधानों का पूर्णतः सावधानी से अनुपालन किया जाए।

– Catch-Up-Course कुल 60 दिनों के लिए विकसित किया गया है।

– चयनित विषयवस्तु में सामाजिक विज्ञान (इतिहास, भूगोल, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन) की पाठ्य–पुस्तक 8–9 के पाठ लिए गए हैं। कक्षा 8–9 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 9–10 में पढ़ रहे है, उनके लिए तीन महीने का Catch-Up-Course हैं।

–चिन्हित पाठों से सम्बन्धित अधिगम प्रतिफल या सीखने के प्रतिफल Catch-Up-Course के सम्बन्धित पाठ के साथ दिये गए हैं।

– सभी चिन्हित पाठों के लिए अधिगम संकेतक दिये गए है जिनके आलोक में बच्चों में अधिगम सुनिश्चित किया जाना अपेक्षित है।

– पुनः सभी पाठों के साथ बच्चों में सहज अधिगम सुनिश्चित किए जाने को ध्यान में रखते हुए उससे सम्बन्धित कुछ सुझावात्मक प्रक्रिया दी गई है जिनका उपयोग कक्षा कक्ष प्रक्रिया में किया जा सकता है। ध्यान रहे ये प्रक्रिया मात्र सुझाव है न कि अंतिम। आप पाठ से सम्बन्धित नवाचारी प्रक्रियों का उपयोग करके अपनी प्रस्तुति को और भी सुगम बनाते हुए बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सहज और आकर्षक बना सकते हैं।

–सुझावात्मक प्रक्रिया के अंतर्गत पाठ से सम्बन्धित गतिविधियां, क्रिया कलाप और तालिकाओं की चर्चा की गई है जिन्हें कक्षा कक्ष में सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में शामिल किया जाना अपेक्षित है जिससे बच्चों का सीखना सुनिश्चित हो सके और अधिगम प्रतिफल की संप्राप्ति हो सके।

– सुविधा के लिए प्रत्येक पाठ से संबन्धित गतिविधियों, क्रियाकलाप और तालिका से संबन्धित पृष्ठों को भी अंकित किया गया है।

–पुनः सभी चिन्हित पाठों से संबन्धित सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए संभावित दिनों की संख्या भी सुझाई गई है जिसे ध्यान में रखा जाय।

– सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों को बातचीत करने, अपने अनुभवों को साझा करने और जहां तक संभव हो स्वयं से कर के सीखने का पर्याप्त अवसर दिया जाना अपेक्षित है। इससे बच्चों को कोविड 19 के कारण हुए विविध आघात (Trouma) और संबन्धित दुष्प्रभावों से बाहर निकालने में मदद मिलेगी, बच्चे सहज हो सकेंगे, विद्यालय, कक्षा और अपने सहपाठियों के प्रति भी सहज हो सकेंगे।

– यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि बच्चे पूरी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में मानसिक और शारीरिक रूप से सहज बने रहे। सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया और विद्यालय वातावरण दवाबमुक्त हो।

निदेशक
(गिरिवर दयाल सिंह)
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
बिहार, पटना।

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch-up Course)

कक्षा–9 (कक्षा–8 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा–9 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की पाठ्य सामग्री)

विषयः–सामाजिक विज्ञान (इतिहास) अतीत से वर्तमान–भाग–3

समान अधिगम प्रतिफल के आधार पर पाठों को समायोजित कर कार्य दिवसों के आधार पर विभक्त किया गया है। मूल पाठों की संख्या–14 (चौदह) है, जिसे समायोजन के पश्चात–9 (नौ) अध्यायों के अन्तर्गत रखा गया है।

अधिगम प्रतिफल	क्रम संख्या	पाठ्क्रम संख्या	पाठ का नाम	अवधि
विभिन्न स्रोतों, प्रयुक्त नामकरण और व्यापक बदलावों के आधार पर आधुनिक काल, मध्य काल और प्राचीन काल में अंतर स्पष्ट करना। भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन की स्थापना की परिस्थतियों की जानकारी देना।	1	1. 2.	कब, कहाँ और कैसे भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना	03 कार्य दिवसों में
औपनिवेशिक काल की कृषि नीतियों एवं उनके प्रभावों का विश्लेषण करना। औपनिवेशिक शासन के दौरान जनजातीय समाज में आए बदलावों की जानकारी से अवगत कराना।	2	3. 4.	ग्रामीण जीवन और समाज उपनिवेशवाद एवं जनजातीय समाज	02 कार्य दिवसों में
ईस्ट इंडिया कंपनी के औद्योगिक नीतियों को समझना एवं उनके प्रभावों को जानना।	3	5.	शिल्प एवं उद्योग	02 कार्य दिवसों में
1857 ई0 के विद्रोह की उत्पति, प्रकृति, प्रसार और इसके परिणामों का वर्णन करना।	4	6.	अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष (1857 का विद्रोह)	01 कार्य दिवस में
भारत में आधुनिक शिक्षा के विकास एवं स्थापित किये गए संस्थानों के बारे में बताना। (बिहार के संदर्भ में)	5	7.	ब्रिटिश शासन एवं शिक्षा	02 कार्य दिवसों में
रूढ़ीवादी सामाजिक व्यवस्था एवं परम्पराओं, उनके सुधार के दौरान आई बाधाओं को समझना।	6	8. 9.	जातीय व्यवस्था की चुनौतियाँ महिलाओं की स्थिति एवं सुधार	02 कार्य दिवसों में
औपनिवेशिक काल में नगरीकरण की प्रक्रिया एवं नगरीय जीवन की स्थिति से अवगत करना।	7	10.	अंग्रेजी शासन एवं शहरी बदलाव	01 कार्य दिवस
आधुनिक काल में, कला क्षेत्र परिवर्तन की रूपरेखा एवं राष्ट्रवादी रचना से अवगत होना।	8	11.	कला क्षेत्र में परिवर्त्तन	01 कार्य दिवस
1870 के दशक से लेकर आजादी तक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की पृष्ठभूमि एवं विभिन्न चरणों को समझना। आजादी के बाद राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलावों का विश्लेषण करना।	9	12. 13.	राष्ट्रीय आन्दोलन 1885–1947 स्वतंत्रता के बाद विभाजित भारत का जन्म	05 कार्य दिवसों में
			पुनरावृत्ति	01 कार्य दिवस

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch-Up-Course)

कक्षा 9 (कक्षा–8 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 9 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

कक्षा - IX

विषयः– सामाजिक विज्ञान (इतिहास)

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Duration
• विभिन्न स्रोतों का इस्तेमाल कर भारतीय उपमहाद्वीप के अलग–अलग नामकरण एवं बदलाव को समझते हैं। • काल विभाजन को समझते हुए आधुनिक, मध्य काल एवं प्राचीन काल के अन्तर को बतलाते हैं। • ईस्ट इंडिया कम्पनी के शासन की भारत में स्थापना की परिस्थिति को स्पष्ट करते हैं। • इतिहास में पलासी और बक्सर के युद्ध के महत्व को बताते हैं। • कलकत्ता, मद्रास (चेन्नई) एवं बम्बई (मुम्बई) के विकास क्रम को जानते हैं।	1. **कब, कहाँ, कैसे?** 2. **भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना**	• काल विभाजन के साथ–साथ होने वाले परिवर्तन एवं स्रोतों की जानकारी है। • समुद्री मार्गों से भारत और अमेरीका की खोज एवं उसके परिणाम की सामान्य समझ है। • पुनर्जागरण, पूंजीवाद, औद्योगिक क्रांति, उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद जैसी परिभाषाओं एवं अवधारणाओं की समझ है। • भारत में अँग्रेजी राज्य की स्थापना की परिस्थितियों का विश्लेषण करते हैं। • भारत में देशी राज्यों और कम्पनी के मध्य होने वाले संघर्षों को ई0 सन् के साथ बताते हैं। • फ्रांस और ब्रिटेन के मध्य भारत पर अधिकार को लेकर	• मानचित्र के आधार पर भारत में अँग्रेजी साम्राज्य की स्थापना का विश्लेषण करना।(पाठ्य–पुस्तक के आधार पर) • उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद एवं औद्योगिक क्रांति के प्रभावों (भारत के संदर्भ में) की विवेचना। (छात्र–शिक्षक के बीच) • चार्ट पेपर/श्यामपट्ट पर अँग्रेजी कम्पनी की विजय का वर्षवार प्रदर्शन। (शिक्षक द्वारा) • टीपू सुल्तान एवं महाराजा रणजीत सिंह के जीवन को जानने का प्रयास (शिक्षक द्वारा) • मानचित्र के आधार पर बंगाल विभाजन, बिहार	3 कार्य दिवसों में

		हुए संघर्ष को जानते हैं। • मध्यकाल और आधुनिक काल के ऐतिहासिक स्रोतों में अंतर कर पाते हैं। • पलासी एवं बक्सर युद्ध के परिणाम एवं महत्व के बारे में जानते हैं।	विभाजन एवं भारत विभाजन को स्पष्ट करना। (शिक्षक के द्वारा)	
• भारत के विभिन्न क्षेत्रों में औपनिवेशिक शासन द्वारा अपनाई गयी कृषि नीतियों एवं उनके प्रभावों को बताते हैं। • नील विद्रोह एवं नील की खेती को विश्लेषित करते हैं। • जनजातीय समाज की समझ को स्पष्ट करते हुए औपनिवेशिक शासन के बाद उनमे आए बदलावों को बताते हैं। • बिरसा मुंडा को भगवान का अवतार मानने के आधार को व्यक्त करते हैं। • जादोनांग एवं रानी गिंडाल्यू के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्य के जनजातीय आंदोलन को बताते हैं।	**3. ग्रामीण जीवन और समाज** **4. उपनिवेशवाद एवं जनजातीय समाज**	• अँग्रेजों द्वारा भारत में अपने व्यापारिक लाभ के लिए किए जाने वाले कार्यो को जानते हैं। • भारत के अलग–अलग क्षेत्रों में कम्पनी द्वारा अपनाई गयी राजस्व नीति को जानते हैं। • स्थायी बंदोबस्त के दुष्प्रभावों का विश्लेषण करते हैं। • भू–राजस्व व्यवस्था की प्रतिक्रिया में होने वाले किसान विद्रोह को जानते हैं। • बिहार में नील की खेती वाले क्षेत्र को जानते हैं एवं इसके महत्व को भी समझते हैं। • आदिवासी समुदाय का वनों के साथ आर्थिक निर्भरता जानते हैं। • झूम खेती के बारे में जानते हैं।	• पाठ्य–पुस्तक के आधार पर ग्रामीण अर्थ–व्यवस्था पर चर्चा एवं अवलोकन। • लगान व्यवस्था के कुप्रभावों का विश्लेषण। (पाठ्य पुस्तक के आधार पर) • नील,अफीम,शोरा के उत्पादन का बिहार के संदर्भ में चर्चा। (शिक्षक द्वारा) • वनोत्पाद का सूचीकरण श्यामपट्ट पर उसके महत्व एवं आदिवासी समुदाय की उसपर निर्भरता की चर्चा। (छात्र–शिक्षक के बीच) • जनजातीय खेती के तरीके एवं वहाँ की लगान व्यवस्था साहूकारों की उपस्थिति एवं उसके दूष्प्रभावों पर चर्चा।	2 कार्य दिवसों में

		• अँग्रेजों द्वारा रेल लाईन,जहाज, इमारत उद्योग का जंगल एवं आदिवासी समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को जानते हैं। • बेगारी और बंधुआ मजदूरी को परिभाषित करते हैं। • दिकू का अर्थ जानते हैं। • बिरसा मुंडा का जीवन एवं सिंगबोंगा के बारे में जानते हैं। • स्वतंत्रता के बाद जनजातीय लोगों के लिए किए गए कार्यो को बताते हैं।	• बिरसा मुंडा का स्वयं को भगवान घोषित करने पर सामूहिक चर्चा। • खेती करने के तौर–तरीकों में पहले की अपेक्षा आज क्या बदलाव आया है? बुजुर्गों से पता करें। • अंग्रेजी शासन के पूर्व जनजातीय समाज के लोगों का जीवन कैसा था? शिक्षक के साथ परिचर्चा करें।	
• औपनिवेशिक काल के दौरान पहले से मौजूद भारतीय हस्त शिल्प उद्योग के पतन का विश्लेषण करते हैं। • नये शहरी केन्द्रो और उद्योगो के विकास का विश्लेषण करते हैं। • मुक्त व्यापार की नीति एवं निःऔद्योगिकीकरण को स्पष्ट करते हैं। • झारखंड स्थित जमशेदजी टाटा एवं द्वारा स्थापित साकची नामक स्थान पर टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी की स्थापना की परिस्थितियों को बताते हैं।	**5. शिल्प एवं उद्योग**	• ब्रिटिश भारत के पूर्व आयात निर्यात होने वाले वस्तुओं की सूची बनाते हैं। • भारतीय शिल्प एवं उद्योग के पतन के कारणो की विवेचना करते हैं। • भारतीय कुटीर उद्योग के विनाश के कारणो की व्याख्या करते हैं। • भारत में स्थापित भारी उद्योगों की सूची स्थापना वर्ष के साथ बताते हैं। • विश्वयुद्धों के मध्य भारतीय उद्योग के विकास के कारणो का विश्लेषण करते हैं।	• श्यामपट्ट पर आयातित निर्यातित वस्तुओं का वर्गीकरण एवं सूचीकरण। (शिक्षक द्वारा) • पाठ्य–पुस्तक के आधार पर भारतीय हस्त शिल्प उद्योग के पतन के कारणों पर चर्चा (शिक्षक द्वारा) • मानचित्र पर ब्रिटिश कालीन उत्पादन केन्द्र का अंकन। (शिक्षक के द्वारा) • भारी उद्योग एवं उसके स्थापना परिस्थितियों का अवलोकन। (पाठ्य–पुस्तक के माध्यम से)	02 कार्य दिवसों में

• 1857 के विद्रोह की उत्पति की पृष्ठभूमि को बताते हैं। • 1857 के विद्रोह के फैलाव को मानचित्र पर दर्शा सकते हैं। • 1857 के विद्रोह के तथ्यात्मक बातों को बताते हैं।	**6. अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष (1857 का विद्रोह)**	• 1857 के विद्रोह के कारणों की सामान्य समझ है। • 1857 के पूर्व अँग्रेजी शासन के विरूद्ध हुए विद्रोह को ई0 सन् के साथ बताते हैं। • मंगल पाण्डेय से परिचित हैं। • अँग्रेजी सैन्य प्रशासन में भारतीय सैनिकों की भूमिका का विश्लेषण करते हैं। • विद्रोह को दबाने के लिए अँग्रजी शासन द्वारा किए गए प्रयासों को बताते हैं। • 1857 के विद्रोह के नायकों एवं उनके कार्यों/वीरता की कहानी बच्चों को प्रभावित करती है। • विद्रोह की असफलता के कारणों का विश्लेषण करते हैं।	• मानचित्र के आधार पर विद्रोह के फैलाव एवं विस्तार का विश्लेषण।(शिक्षक द्वारा) • विद्रोह के कारणों पर समूह चर्चा। (शिक्षक–छात्र द्वारा) • श्यामपट्ट कार्यः– विद्रोह की प्रमुख घटनाओं का तिथिवार अंकन।(पाठ्य–पुस्तक के आधार पर) • विद्रोह की विफलता के कारणों का विश्लेषण। • कुँवर सिंह के कार्यों और वीरता को जानते हैं।	1 कार्य दिवस में
• भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली के विकास को बताते हैं। • आधुनिक षिक्षा के लिए अँग्रेजी शासन द्वारा किए गए प्रावधानों और उसके प्रभावों का विश्लेषण करते हैं। • रविन्द्र नाथ टैगोर एवं महात्मा गाँधी के शिक्षा सम्बंधी विचारों को बताते हैं। • आधुनिक शिक्षा के विकास को	**7. ब्रिटिश शासन और शिक्षा**	• 1835 के प्रावधानों और प्रभाव का विश्लेषण करते हैं। • भारत की परम्परागत शिक्षा प्रणाली से परिचित हैं। • 1835 के प्रावधान एवं 1854 के वुडडिस्पैच की व्याख्या करते हैं। • गुरूदेव रविन्द्र नाथ टैगोर और महात्मा गाँधी के शिक्षा संबंधी विचारों को बताते हैं।	• 1830, 1835, 1854 के प्रावधानों की व्याख्या करते हैं। (पाठ्य–पुस्तक के आधार पर) • जेम्स मिल, मैकाले, राजा राममोहन राय के शिक्षा सम्बंधी विचारो पर समूह चर्चा। (छात्रों के द्वारा) • तुलनात्मक अध्ययनः– परंपरागत भारतीय शिक्षा	2 कार्य दिवसों में

बिहार के सन्दर्भ में विष्लेषण करते हैं।		• बिहार में आधुनिक शिक्षा के प्रसार के लिए स्थापित संस्थानों को बताते हैं। • 1813 के चार्टर एक्ट में शिक्षा के लिए किए गए प्रावधानों की चर्चा करते हैं।	प्रणाली एवं आधुनिक शिक्षा प्रणाली के बीच। (पाठ्य–पुस्तक के माध्यम से) • बिहार में स्थापित आधुनिक शिक्षण संस्थानों का श्यामपट्ट पर तिथिवार प्रदर्श।(पाठ्य–पुस्तक के आधार पर) • रविन्द्र नाथ टैगोर एवं महात्मा गाँधी के शिक्षा सम्बंधी विचारों पर समूह चर्चा। (छात्रों के बीच) • अंग्रेजी शासन के दौरान बिहार में आधुनिक शिक्षा के विकास के लिए जो प्रयास किया गया उसके विषय में वर्ग में शिक्षक के सहयोग से परिचर्चा करें।	
• जन्म के आधार पर सामाजिक भेदभाव की समझ है। • जाति व्यवस्था के विकास के बारे में बताते हैं। • सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन के उद्देश्यों को स्पष्ट कर पाते हैं। • जाति सुधार, महिला सुधार, विधवा पुर्नविवाह, बाल विवाह, जैसे सामाजिक सुधार के क्षेत्र में	**8. जातीय व्यवस्था की चुनौतियाँ** **9. महिलाओं की स्थिति एवं सुधार कार्य**	• जाति और उसपर आधारित सामाजिक बनावट को बताते हैं। • महात्मा फूले, वीरषेलिंगम, नारायण गुरू, रामास्वामी नायकर (पेरियार) एवं उनके कार्यों के बारे में बताते हैं। • महात्मा गाँधी के समाज सुधार सम्बंधी प्रयास को जानते हैं। • डॉ भीमराव अम्बेडकर के	• भारतीय सामाजिक एवं धार्मिक संरचना का विश्लेषण। (शिक्षक के द्वारा) • तुलनाः तत्कालीन जाति व्यवस्था के साथ वर्तमान जाति व्यवस्था की एवं तत्कालीन महिलाओं की स्थिति के साथ वर्तमान महिलाओं की स्थिति की तुलना। (शिक्षक द्वारा)	2 कार्य दिवसों में

औपनिवेशिक शासन के दौरान किए गए प्रयासों का विश्लेषण करते हैं। • सामाजिक एवं लैंगिक समस्याओं के विकास के कारणों एवं उनमें सुधार के प्रयासों की समझ होती है।		विचार एवं उनके दलित उत्थान सम्बंधी कार्यों को जानते हैं। • राजा राममोहन राय, सावित्री बाई फूले के महिला सुधार सम्बंधी कार्यों को जानते हैं। • सती प्रथा उन्मूलन कानून एवं विलियम बैंटिक के प्रयासों को बताते हैं। • ब्रह्म समाज, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर, दयानन्द सरस्वती, एवं विवेकानन्द, महात्मा गाँधी एवं नेहरू इत्यादि के महिला उत्थान सम्बंधी विचारों को बताते हैं। • अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं की स्थिति में सुधार हेतु सर सैयद अहमद खाँ के विचारों एवं कार्यो को जानते हैं। • दादा भाई नौरोजी एवं नौरोजी फरदून जी द्वारा स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों को जानते हैं। • बिहार सरकार द्वारा चलाई गयी बालिका साईकिल योजना एवं अन्य योजनाओं, जो महिला उत्थान से जुड़ी है, के बारे में जानते हैं	• समाज सुधारों एवं महिला सुधारकों के कार्यों पर समूह चर्चा। (छात्रों के बीच) • सती प्रथा, विधवाओं की स्थिति एवं बाल विवाह के दुष्प्रभाव पर समूह चर्चा। • महात्मा गाँधी द्वारा दलित/हरिजन उत्थान के लिए किए गए कायों पर समूह चर्चा। (छात्रों के बीच) • महात्मा गाँधी और अम्बेदकर के जाति व्यवस्था पर आधारित विचारों की तुलना। • अंग्रेजी सरकार के समय जाति, महिला एवं बाल सुधार के लिए बनाये गए कानून का अवलोकन। (पाठ्य–पुस्तक के माध्यम से) • जाति व्यवस्था एवं महिलाओं की स्थिति में तत्कालीन समय के परिपेक्ष्य में आए बदलावों पर समूह चर्चा। (छात्रों के बीच	

• अंग्रेजी शासन में शहरीकरण की प्रक्रिया और नगरों की स्थिति से अवगत है। • भारत के परम्परागत शहर में अंग्रेजी शासन के दौरान आए बदलाव को स्पष्ट करता है। • भागलपुर शहर की सम्पूर्ण जानकारी (शहरी बदलाव के परिपेक्ष्य में) रखते हैं।	**10. अंग्रेजी शासन और शहरी बदलाव**	• मध्यकालीन भारतीय शहरों में अंग्रेजी शासन के दौरान आए बदलावों से परिचित हैं। • औपनिवेशिक काल में शहरों के विकास में औद्योगिकरण एवं रेलवे के विकास की भूमिका को बताते हैं। • शहरों के विविध प्रकार ह्वाईट टाउन एवं ब्लैक टाउन को परिभाषित करते हैं। • भागलपुर शहर के प्राचीन नाम एवं स्थिति का वर्णन करते हैं। • भागलपुर में शैक्षणिक माहौल में बांगला परिवेश के प्रभाव को रेखांकित करते हैं।	• उपनिवेशवाद एवं शहरी करण की प्रक्रिया पर चर्चा।(पाठ्य पुस्तक के आधार पर) • प्रेसिडेंसी शहरों का सूची करण (श्यामपट्ट पर) एवं विशेषताओं का विश्लेषण। • मानचित्र (नक्षा) के आधार पर भागलपुर शहर की विशेषताओं का अंकन। (शिक्षक द्वारा) • शहरी करण में व्यापारियों की भूमिका पर परिचर्चा। (शिक्षक द्वारा) • शहर के प्रशासनिक ढ़ाँचा एवं इकाईयों पर चर्चा। • भागलपुर शहर के विकास की सम्पूर्ण प्रक्रिया पर पाठ्य पुस्तक के आधार पर चर्चा। • भागलपुर के साहित्यिक अवदानों एवं उसके आर्थिक महत्व की व्याख्या करना। • कार्य संस्कृति के विकास में घण्टा घर के महत्व को बताना।	1 कार्य दिवस में

• औपनिवेशिक काल में कला क्षेत्र में हुए प्रमुख परिवर्तनों की रूपरेखा बनाते हैं। • राष्ट्रवादी साहित्य एवं उसकी रचनाओं को जानते हैं। • गंगा–जमुनी संस्कृति का विश्लेषण करते हैं। • मधुबनी कला एवं पटना कलम की विशेषताओं को जानते हैं।	**11. कला क्षेत्र में परिवर्तन**	• दरबारी कला एवं स्थानीय कला में अंतर को बताते हैं। • कला के अलग–अलग क्षेत्रों को जानते हैं। • देशी भाषा के राष्ट्रवादी साहित्य तथा बंगला, हिन्दी, उर्दू, तमिल, इत्यादि की रचना एवं रचनाकारों से परिचित हैं। • भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एवं प्रेमचन्द को उनके कार्यों एवं रचनाओं के संदर्भ में जानते हैं। • उर्दू की उत्पति, विस्तार एवं लिपि को जानते हैं।	• भारत की सांस्कृतिक विशेषताओं पर चर्चा। (छात्र शिक्षक के बीच) • औपनिवेशिक काल की कला का विश्लेषण एवं व्याख्या।(शिक्षक द्वारा) • राष्ट्रवादी चित्रकला की व्याख्या।(नन्द–लाल बोस के परिपेक्ष्य में) • राष्ट्रवादी साहित्य के विकास पर चर्चा भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रेमचन्द्र, ताराशंकर बंद्योपाध्याय के संदर्भ में। (षिक्षक द्वारा) • मधुबनी चित्रकला एवं पटना कलम की विशेषताओं पर संक्षिप्त चर्चा।	1 कार्य दिवस में

• राष्ट्रवाद के उदय की परिस्थितियों को बताते हैं। • आरंभिक राजनैतिक संगठनों के संदर्भ में राजनैतिक आंदोलन को समझते हैं। • भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की परिस्थितियों एवं उसके आरंभिक नेताओं, कार्यक्रमों एवं उद्देश्यों की समझ है। • राष्ट्रीय आंदोलन में अलग–अलग धाराओं (नरम–गरम दल, क्रांतिकारी, गाँधीवादी वामपंथी, साम्प्रदायिक) एवं उनकी भूमिका के बारे में बताते हैं। • राष्ट्रीय आंदोलन और भारत की आजादी में महात्मा गाँधी के योगदानों की पूरी समझ है। • आधुनिक भारत के निर्माण में पंडित नेहरू के योगदानों को बताते हैं। • संविधान निर्माण की प्रक्रिया और परिस्थिति को जानते हैं।	**12. राष्ट्रीय आंदोलन 1885 से 1947** **13. स्वतंत्रता के बाद विभाजित भारत का जन्म**	• भारतीय राष्ट्रवाद के उदय के कारणों को बताते हैं। • समाचार पत्रों की भूमिका से अवगत हैं। • कांग्रेस की स्थापना की परिस्थियों से परिचित हैं। • आरंभिक राष्ट्रवादी नेताओं के विचारों एवं कार्यों को जानते हैं। • स्वदेशी आंदोलन के कारण और परिणाम से परिचित हैं। • भारतीय राजनीति में महात्मा • गाँधी का आगमन एवं चम्पारण सत्याग्रह के प्रभाव को जानते हैं। • असहयोग आंदोलन के कारण, परिणाम एवं कार्यक्रम से परिचित हैं। • दाण्डी यात्रा, सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन से परिचित हैं। • क्रांतिकारी आंदोलन (चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह के परिपेक्ष्य में) एवं उसके योगदानों से परिचित हैं। • राष्ट्रीय आंदोलन के साथ–साथ साम्प्रदायिकता के विकास एवं मुस्लिम लीग तथा	• कांग्रेस पूर्व राजनैतिक संगठन का श्यामपट्ट पर प्रदर्श। (शिक्षक द्वारा) • राष्ट्रवाद के विकास के कारणों पर समूह चर्चा। (छात्र–शिक्षक द्वारा) • पाठ्य–पुस्तक के आधार पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का विश्लेषण।(शिक्षक द्वारा) • स्वदेशी आंदोलन के कारण और महत्व की व्याख्या।(शिक्षक द्वारा) • क्रांतिकारी आंदोलन और गाँधीवादी आंदोलन में अंतर पर परिचर्चा।(छात्र शिक्षक के बीच) • दाण्डी यात्रा का कला समेकित अधिगम के आधार पर बच्चों द्वारा अभिनय। • साम्प्रदायिकता के विकास की चर्चा। (शिक्षक द्वारा) • चम्पारण सत्याग्रह, राजकुमार शुक्ल, महात्मा गाँधी एवं तीन कठिया प्रणाली के संदर्भ में व्याख्या। (शिक्षक द्वारा)	5 कार्य दिवसों में

	पुनरावृत्ति	जिन्ना की भूमिका की समझ है। • सुभाष चन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज के कार्यों को जानते हैं। • भारत स्वंतंत्रता अधिनियम 1947 के प्रावधानों एवं स्वतंत्रता के तत्काल बाद की समस्याओं को जानते हैं। • राष्ट्र निर्माण में बाधक तत्वों की वयाख्या करते हैं। • संविधा के प्रस्तावना की विशेषताओं का विश्लेषण करते हैं। • स्वतंत्रता के बाद भारत में नये राज्यों के गठन की परिस्थिति से अवगत हैं। • पं0 नेहरू के आर्थिक प्रयासों को जानते हैं। • नेहरू के बाद भारत की लोकतांत्रिक राजनीति एवं उसके स्वरूप (इंदिरा गाँधी, राजीव गाँधी, बी0 पी0 सिंह एवं अन्य दलों के संदर्भ में) परिचित हैं। • नेहरू की विदेश नीति एवं गुटनिरपेक्ष आंदोलन में भारत की भूमिका को जानते हैं।	• स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण में बाधक तत्वों पर समूह चर्चा। • राष्ट्रीय आंदोलन की प्रमुख घटनाओ का श्यामपट्ट पर तिथिवार अंकन। (शिक्षक द्वारा) • संविधान की विशेषताओं का विश्लेषण। (शिक्षक द्वारा)	1 कार्य दिवस में

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–IX

विषय–सामाजिक विज्ञान

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch up Course)

कक्षाः– 9 (कक्षाः– 8 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा–8 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

विषयः– सामाजिक विज्ञान (भूगोल)

समान अधिगम प्रतिफल के आधार पर पाठों को समेकित कर कार्य दिवसों के आधार पर विभक्त किया गया है। मूल पाठों की संख्या 7 है जिसे समेकन के पश्चात कुल छः (6) अध्यायों के अंतर्गत रखा गया है।

अधिगम प्रतिफल	क्रम संख्या	पाठक्रम संख्या	अध्याय	अवधि
• संसाधन एवं उनके वर्गीकरण को जानते हैं। भूमि, मृदा, जल, वन एवं वन्य जीव एवं उर्जा संसाधन से अवगत हैं।	1.	1. 1.A 1.B 1.C 1.D	संसाधन भूमि मृदा एवं जल संसाधन वन एवं वन्य प्राणी संसाधन खनिज संसाधन ऊर्जा संसाधन	5 कार्य दिवसों में
• भारतीय/बिहार की कृषि की विशेषताओं, कृषि को प्रभावित करने वाले कारक, प्रकार एवं फसलों की जानकारी रखते हैं।	2.	2.	भारतीय कृषि	3 कार्य दिवसों में
• विभिन्न उद्योगों – लौह–इस्पात उद्योग, वस्त्र उद्योग एवं सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग को जानते है। विभिन्न आधारों पर उनके वर्गीकरण से अवगत है।	3.	3. 3.A 3.B 3.C	उद्योग लौह–इस्पात उद्योग वस्त्र उद्योग सूचना प्रौद्योगिक उद्योग	5 कार्य दिवसों में
• परिवहन के महत्त्व, प्रकार एवं साधनों की जानकारी है। यातायात संकेतक एवं सड़क सुरक्षा उपाय से परिचित हैं।	4.	4. 5.	परिवहन मानव संसाधन	2 कार्य दिवसों में
• एशिया महादेश की एक संक्षिप्त जानकारी है।	5.	6.	एशिया	3 कार्य दिवसों में
• तथ्यों के गणितीय एवं सांख्यिकीय माध्यम से परिचित हैं एवं दैनिक जीवन में तथ्यों का आरेखीय निरूपण करते हैं।	6.	7.	भौगोलिक आँकड़ों का प्रस्तुतीकरण	2 कार्य दिवसों में

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch up Course)
कक्षाः– 9 (कक्षाः– 8 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा–8 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

कक्षा – 9 विषय – सामाजिक विज्ञान (भूगोल)

सीखने का प्रतिफल Learning Outcome	अध्याय Chapter	अधिगम संकेतक Learning Indicator	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive Process	अवधि Duration
• संसाधन एवं उसके वर्गीकरण को जानते हैं। • संसाधन के संरक्षण के प्रति संवेदनशील हैं। • प्राकृतिक एवं मानवकृत संसाधनों के वितरण का विश्लेषण करते है। • भूमि के विवेकपूर्ण उपयोग के संबंध में उचित तर्क देते हैं। • वन्य जीव अभ्यारण्य के बारे में जानते है। • वन संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं विवेकपूर्ण तर्क देते हैं। • उर्जा के परम्परागत एवं गैर परम्परागत स्रोतो की जानकारी है। • जन्मदर, मृत्युदर, लिंगानुपात के बारे में जानते हैं।	**1. संसाधन** **A. भूमि, मृदा एवं जल संसाधन** **B. वन एवं वन्य जीव संसाधन** **C. उर्जा संसाधन** **D. मानव संसाधन** **नोटः– 1. बच्चे, कक्षा 7 में अध्याय 2 चट्टान एवं खनिज में खनिज संसाधन से परिचित हैं।** **नोटः– 2. पाठ 5 मानव संसाधन को पाठ 1 संसाधन में समेकित किया गया है।**	• संसाधन के बारे में जानते हैं एवं वर्गीकरण और उसके उपयोग को सूचीबद्ध करते है। • उपयोग के आधार पर भूमि का वर्गीकरण करते हुए भू–संरक्षण के उपाय जानते हैं। • सामाजिक वानिकी का महत्व जानते है, वनों का वर्गीकरण करते है। • परम्परागत एवं गैर परम्परागत उर्जा के स्रोत पता है एवं उर्जा संरक्षण के प्रति संवेदनशील है। • भारत के मानचित्र पर जनसंख्या का सघन एवं विरल वितरण दिखा सकते हैं।	• शिक्षक परिवेश में उपलब्ध चीजों की सूची बच्चो से बनवाएं एवं उसका उपयोग स्पष्ट करें। • भारत/स्थान विशेष के मानचित्र पर इंगित करके बता सकते हैं। • मुख्यमंत्री परिभ्रमण योजना के तहत छात्रों को महत्वपूर्ण स्थानों का अवलोकन करा सकते हैं एवं संरक्षण के प्रति संवेदनशील कर सकते हैं। • डीजल, गैस, लकड़ी से संचालित वाहनों, सौर उर्जा प्लेटों, घर के LPG सिलिंडरों आदि की चर्चा कर सकते हैं।	3 कार्य दिवसों में

• भारतीय कृषि एवं बिहार की कृषि की विशेषताओं को जानते हैं। • कृषि के विभिन्न प्रकार एवं फसलों की जानकारी रखते हैं।	**2. भारतीय कृषि**	• कृषि के बारे में जानते हैं। • उपयोगिता के आधार पर फसलों को वर्गीकृत कर सकते हैं। • स्थानान्तरित कृषि एवं गहन कृषि में अंतर बताते है और वाणिज्यिक कृषि को जानते हैं। • हरित क्रांति के बारे में बात–चीत करते है।	• विभिन्न उपज वाली खेतों का अवलोकन कराएँ। • किसी स्थानीय किसान से साक्षात्कार कराएँ। • खेती करने के तरीको के आधार पर वर्गीकरण करते हुए उनके कृषि तकनीक पर चर्चा कर सकते हैं। • बिहार के संदर्भ में मखाना, केला, तम्बाकू के खेती की चर्चा करते हुए बच्चों को वाणिज्यिक कृषि की जानकारी दी सकती है। • किस ऋतु में कौन–सी फसल बोई जाती है इस बात–चीत से शुरूआत करते हुए बच्चों को फसल ऋतुओं की जानकारी दी जा सकती है।	3 कार्य दिवसों में
• विभिन्न प्रकार के उद्योग के बारे में जानते हैं। • विभिन्न आधारों जैसे कच्चे माल, आकार तथा स्वामित्व के आधार पर उनके वर्गीकरण जानते है। • भारत के औद्योगिक क्षेत्रों तथा उनके विकसित होने के कारण जानते है। • भारत के मानचित्र में भारत के लौह–इस्पात उद्योग को चिह्नित कर सकते है। • मानचित्र पर वस्त्र उद्योग	**3. उद्योग** **A. लौह इस्पात उद्योग** **B. वस्त्र उद्योग** **C. सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग**	• कच्चे माल के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण करते हैं। • उद्योग स्थापना को प्रभावित करने वाले कारकों को बताते हैं। • मानचित्र पर लौह इस्पात केन्द्रो को चिह्नित कर लेते है। सेल के बारे में भी जानते है। • वस्त्र उद्योग के प्रमुख केन्द्रो को इंगित कर सकते है। • विभिन्न प्रकार के रेशों/कपड़ों का वर्गीकरण करते हुए उसके उत्पादन के केन्द्रो को बता सकते हैं।	• उद्योग की जानकारी देने के बाद उनका वर्गीकरण एवं उप वर्गीकरण करके जानकारी दे सकते हैं। • समूह कार्य के अन्तर्गत उपवर्गो और उसके अन्तर्गत आए उद्योग के नाम लिखवा सकते हैं। • भारत के मानचित्र में औद्योगिक प्रदेशों को दिखा सकते हैं। • शिक्षक स्टील के बर्त्तनों की सूची बना कर बच्चों से चर्चा कर सकते हैं। इस आधार पर इस्पात उद्योग की चर्चा कर सकते हैं। • विभिन्न लौह इस्पात केन्द्र उनके स्थापना वर्ष एवं सहयोगी देशों से संबंधित परियोजना कार्य करवाए जा सकते हैं। • बच्चो से क्षेत्र में पहने जाने वाले वस्त्रों की सूची बनाने को कह सकते है और इस आधार पर वस्त्र उद्योग की चर्चा की जा सकती है। • चिट्ठी, तार, टेलीफोन की चर्चा करते हुए सूचना	5 कार्य दिवसों में

केन्द्र को चिह्नित कर सकते हैं। • मानव जीवन पर सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभाव को बताते है।		• एन्ड्रायड मोबाइल के एप्लिकेशन्स जानते है। • आई. टी. के संक्षिप्ताक्षर बताते हैं। • आई. टी. से संबंधित महत्वपूर्ण शहरों की जानकारी रखते है।	आदान–प्रदान के बारे में बात की जा सकती है। • सूचना प्रौद्योगिकी में प्रयुक्त उपकरण का मूल्य बताया जा सकता है।	
• परिवहन का मानव जीवन में महत्व की जानकारी है। • परिवहन के प्रकार और साधनों की जानकारी है। • यातायात संकेतक जानते हैं। सड़क दुर्घटना में पीड़ितों की मदद करने की भावना जागृत है।	**4. परिवहन एवं सड़क सुरक्षा**	• परिवहन का अर्थ एवं प्रकार जानते हैं। • राष्ट्रीय राजमार्ग, स्वर्णिम चतुर्भुज और एक्सप्रेस वे के बारे में बात–चीत करते हैं। • परिवहन और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के बीच के अन्तर्सम्बन्धों को बताते हैं। • रेल परिवहन, जल परिवहन एवं वायु परिवहन के बारे में जानते है। • Four 'E' को जानते हैं। • गाड़ी चलाने में ड्राइविंग लाइसेंस के महत्व की जानकारी रखते हैं। • यातायात संकेतक संबंधी सूचना पर जानते हैं।	• आवागमन के साधनों के नाम को सूचीबद्ध करते हुए परिवहन के प्रकार पर चर्चा कर सकते हैं। • आवागमन के विभिन्न साधनों का मॉडल बनवाकर उसमें अंतर स्पष्ट किया जा सकता है। • सड़क पर पैदल चलने के दौरान सामान्य सावधानियों पर बात–चीत करेंगे। • Four 'E' की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इनके महत्व को बतायेंगे। • ड्राईविंग लाइसेंस, इसकी अनिवार्यता, अहर्ता तथा जारी करने वाले पदाधिकारी आदि के संबंध में जानकारी दी जा सकती हैं। • सड़क दुर्घटना से संबंधित अखबारी खबरों के साथ सड़क सुरक्षा के विज्ञापन का प्रदर्शन करा सकते हैं। • DTO, ट्रैफिक पुलिस से संवाद करा सकते हैं। • ट्रैफिक संकेतों को चार्ट पेपर पर अंकित करके प्रदर्शित कर सकते हैं।	3 कार्य दिवसों में

• एशिया महादेश का विस्तार तथा भौगोलिक विशेषताओं की जानकारी है। • एशिया के जनसंख्या वितरण एवं घनत्व से परिचित हैं। • सार्क संगठन के बारे में जानते है। • एशिया की सांस्कृतिक विविधताओं को जानते हैं।	**5. एशिया एक संक्षिप्त अध्ययन**	• ग्लोब में एशिया की स्थिति बताते हैं। • एशिया की प्राकृतिक बनावट और उसकी विविधता से परिचित हैं। • एशिया के जलवायु, वनस्पतियों, जनसंख्या वितरण एवं घनत्व आदि बताते हैं। • सार्क संगठन से परिचित हैं। • एशिया महादेश के सांस्कृतिक उप–प्रदेशों के नाम जानते हैं।	• एशिया का मानचित्र दिखा कर उनमें से एशिया के देश, चौहद्दी, पर्वत, पठार, नदियाँ इत्यादि को अलग–अलग सूचीबद्ध करवाया जा सकता है। • स्थान विशेष/जलवायु विशेष की विशेषताओं की मॉडल एवं चित्रों का प्रदर्शन करें। • एशियाई देशों के जनसंख्या वितरण को मानचित्र पर विभिन्न रंगों से प्रदर्शित कर सकते हैं।	3 कार्य दिवसों में
• तथ्यों के गणितीय एवं सांख्यिकीय माध्यम से विश्लेषण की समझ है। • दैनिक जीवन में तथ्यों का आरेखीय निरूपण करते हैं।	**6. आँकड़ों का निरूपण**	• आँकड़ों की समझ है। • सरल आँकड़ों को तालिकाबद्ध कर विश्लेषण कर सकते हैं। • आरेखों से आँकड़ों को प्रदर्शित करना जानते हैं। • दैनिक जीवन में तथ्यों की तुलना तथा विश्लेषण हेतु आरेख बना सकते है।	• दैनिक जीवन के कुछ आँकड़ों का उदाहरण रखते हुए आँकड़ों के बारे में समझाया जा सकता है। • विभिन्न प्रकार के आँकड़ों की तालिका प्रदर्शित कर सकते हैं। • परिवेश में हो रही गतिविधियों का सर्वेक्षण करा कर उन्हें आँकड़ों के रूप में संघारण करवाया जा सकता है। • विभिन्न आरेखों/दण्ड चार्टों के माध्यम से आँकड़ो का विश्लेषण करा सकते हैं। • आँकड़ो को ग्राफ में प्रदर्शित करके उसकी व्याख्या कर सकते हैं।	2 कार्य दिवसों में

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–IX

विषय–सामाजिक विज्ञान

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch-up Course)

कक्षा 9 (कक्षा 8 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा 9 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

विषय– सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन

समान अधिगम प्रतिफल के आधार पर पाठों को समेकित कर कार्य दिवसों के आधार पर विभक्त किया गया है। मूल पाठों की संख्या 8 (आठ) है जिसे समेकन के पश्चात भी 8 (आठ) है, पाठ के कुछ विषयों को संक्षिप्त किया गया है।

अधिगम प्रतिफल	पाठ संख्या	पाठ	अवधि
• भारतीय संविधान एवं भारतीय संविधान के संदर्भ में सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक मुद्दो का विश्लेषण करते हैं।	1.	भारतीय संविधान	2 कार्य दिवसों में
• धर्म निरपेक्षता एवं उसकी आवश्यकता को जानते हैं एवं धर्म निरपेक्षता लागू करने में मौलिक अधिकारों की भूमिका को जानते हैं।	2.	धर्म निरपेक्षता और मौलिक अधिकार	2 कार्य दिवसों में
• संसदीय सरकार की विशेषता को बताते हैं एवं संसदीय शासन व्यवस्था में प्रधानमंत्री एवं मंत्रीपरिषद की चयन प्रक्रिया से अवगत हैं।	3.	संसदीय सरकार	2 कार्य दिवसों में
• कानून निर्माण प्रक्रिया को जानते हैं।	4.	कानून की समझ	3 कार्य दिवसों में
• न्यायपालिका की संरचना एवं न्यायपालिका की भूमिका से अवगत हैं।	5.	न्यायपालिका	3 कार्य दिवसों में
• न्यायिक प्रक्रिया से परिचित हैं एवं दीवानी एवं फौजदारी मुकदमों को जानते हैं।	6.	न्यायिक प्रक्रिया	3 कार्य दिवसों में
• सहकारिता की अवधारणा एवं सहकारी समितियों की कार्य पद्धति से अवगत हैं।	7.	सहकारिता	3 कार्य दिवसों में
• कुपोषण एवं आर्थिक विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों को जानते हैं।	8.	खाद्य सुरक्षा	2 कार्य दिवसों में

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch-up Course)

कक्षा 9 (कक्षा 8 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा 9 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवस की सामग्री)

कक्षा 9

विषय– सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन

सीखने का प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive Process	अवधि Duration
* संविधान की समझ रखते हैं। * भारतीय संविधान के संदर्भ में सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक मुद्दों को जानते हैं। * संविधान के प्रति आदर भाव रखते हैं। * संविधान के बुनियादी मूल्य लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समानता, सामाजिक न्याय एवं धर्म–निरपेक्षता की समझ से अवगत है।	**अध्याय (1) भारतीय संविधान**	* संविधान का अर्थ जानते हैं। * देश में संविधान की आवश्यकता को जानते हैं। * भारतीय संविधान की प्रस्तावना को जानते हैं। * भारतीय संविधान के ऐतिहासिक संदर्भ को जानते हैं। * संविधान के बुनियादी मूल्य को पहचानते हैं। * संविधान के बुनियादी मूल्य के आधार पर शासन में आम लोगों की भागीदारी बताते हैं।	* शिक्षक, बच्चों से संविधान और उसकी आवश्यकता की चर्चा कर सकते हैं। * पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ एक में दिए गए गतिविधियों को बच्चों के साथ किया जा सकता है। * पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ 3 में दिए गए चित्रकला की चर्चा बच्चों के साथ की जा सकती है। * भारतीय संविधान के ऐतिहासिक संदर्भ एवं तथ्य जो पाठ्यपुस्तक में अंकित है, उसकी चर्चा की जा सकती है। * वर्ग कक्ष में भारतीय संविधान की प्रस्तावना की चर्चा कर सकते हैं। * संविधान के बुनियादी मूल्य को बताते हुए पाठ्यपुस्तक में दिए गए गतिविधियों को कराया जा सकता है। * विद्यालय में चलाई जा रही योजनाओं एवं समाज के कमजोर वर्गों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की सूची बनाई जा सकती है।	2 कार्य दिवसों में

* धर्मनिरपेक्षता एवं इसकी आवश्यकता को समझते हैं। * मौलिक अधिकार के बारे में समझते हैं। * धर्मनिरपेक्षता लागू करने में मौलिक अधिकारों की भूमिका को जानते हैं।	**अध्याय (2) धर्मनिरपेक्षता और मौलिक अधिकार**	* धर्मनिरपेक्षता का अर्थ जानते हैं। * धर्मनिरपेक्षता की आवश्यकता को जानते हैं। * मौलिक अधिकारों को जानते हैं। * धर्मनिरपेक्षता को लागू करने में मौलिक अधिकार की भूमिका को जानते हैं। * सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों को धर्म से अलग करके देखते हैं।	* बच्चों से भारत के विभिन्न धर्मों की सूची तैयार करवाते हैं। * देश में लोगों के बीच की धार्मिक भिन्नता का विश्लेषण करते हुए धर्म निरपेक्षता की आवश्यकता की जानकारी दे सकते हैं। * पाठ्यपुस्तक के आधार पर बच्चों में संविधान के मौलिक अधिकारों की जानकारी दी जा सकती है। * पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ 21 में दिए गए प्रश्नों को हल करवा सकते हैं। * पाठ में दिए गए मौलिक अधिकारों द्वारा धर्मनिरपेक्षता को व्यवहारिक रूप देने की कोशिश करने की चर्चा कर सकते हैं। * पृष्ठ 23 की तालिका को हल करवा सकते हैं। * 42 वें संविधान संशोधन के बारे में व्याख्या कर सकते हैं। * भारत मे व्यक्तिगत कानूनों को धर्मनिरपेक्षता के आधार पर बनाने की व्याख्या उदाहरण के साथ की जा सकती है।	2 कार्य दिवसों में
* संसदीय सरकार के बारे में अवगत है। * संसदीय सरकार में आम लोगों की भागीदारी के विषय में जानते हैं। * संसदीय सरकार के गठन को जानते हैं। (राष्ट्रपति, लोकसभा,	**अध्याय (3) संसदीय सरकार (लोग व उनके प्रतिनिधि)**	* संसदीय सरकार को जानते हैं। * प्रतिनिधि का अर्थ जानते हैं। * संसद के कार्य एवं अंगों से अवगत है। * लोकसभा के सदस्यों के चुनाव, कार्यकाल एवं गठन की प्रक्रिया को जानते हैं।	* बच्चों का विद्यालय, अपने गाँव या शहर के शासन–व्यवस्था के साथ तुलना करते हुए देश की शासन व्यवस्था की चर्चा कर सकते हैं। * पाठ्यपुस्तक से संसद के तीनों अंगों की सामूहिक चर्चा की जा सकती है। * अपने राज्य के वर्त्तमान एवं केन्द्र के वर्त्तमान सरकार के गठन द्वारा गठबंधन एवं बहुमत वाली सरकार का विश्लेषण कर सकते हैं। * बाल संसद से तुलना करते हुए प्रधानमंत्री एवं मंत्रीपरिषद	2 कार्य दिवसों में

राज्यसभा) * संसदीय शासन व्यवस्था में प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के चयन प्रक्रिया से अवगत है। * संसद में प्रश्नकाल एवं अविश्वास प्रस्ताव से अवगत है।		* राज्यसभा के सदस्यों की संख्या एवं कार्यकाल के बारे में जानकारी रखते हैं। * भारत के राष्ट्रपति के नाम एवं उनके कार्यकाल को जानते हैं। * बहुमत वाली एवं गठबंधन वाली सरकार को जानते हैं। * प्रधानमंत्री एवं मंत्रीपरिषद के चयन प्रक्रिया को जानते हैं। * संसद के मुख्य कार्य को जानते हैं। * प्रश्नकाल एवं अविश्वास प्रस्ताव के महत्व को जानते हैं।	के चयन प्रक्रिया की चर्चा कर सकते हैं। * संसद के कार्यों की सूची तैयार कर सकते हैं। * प्रश्नकाल एवं अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा कर सकते हैं।	
* कानून एवं उसके प्रकार को जानते हैं। * शिक्षा का अधिकार कानून की समझ रखते हैं। * अलोकप्रिय कानून की जानकारी रखते हैं।	**अध्याय (4) कानून की समझ**	* कानून एवं कानून व्यवस्था का अर्थ जानते हैं। * कानून के प्रकार को जानते हैं। * कानून निर्माण प्रक्रिया को ग्राफ के माध्यम से जानते हैं।	* बच्चों से विद्यालय की कानून व्यवस्था की तुलना करते हुए देश की कानून व्यवस्था की समूह चर्चा कर सकते हैं। * पाठ्यपुस्तक के आधार पर कानून के प्रकार को सूचीबद्ध कर सकते हैं। * श्यामपट्ट पर कानून निर्माण प्रक्रिया को बताते हैं। * पाठ्यपुस्तक में दिए गए उदाहरणों के द्वारा प्रेसबिल और अलोकप्रिय कानून आदि के पड़ने वाले दुष्प्रभाव से अवगत	3 कार्य दिवसों में

		* शिक्षा का अधिकार कानून के विषय को जानते हैं। * अलोकप्रिय कानून (बिहार प्रेस बिल 1982) के बारे में जानते हैं। * उत्तर पूर्व के राज्यों में लागू सशस्त्र सेना अधिनियम 1974 से 1976 तक आपातकाल में प्रेस विधेयक पर लगाए गए रोक को जानते हैं।	करा सकते हैं।	
* विवादों की समझ रखते हैं। * न्याय के सोपान एवं उसकी प्रक्रिया का विश्लेषण करते हैं। * न्यायपालिका की भूमिका एवं उसके स्वतंत्रता को समझते हैं। * लोक अदालत से अवगत है।	**अध्याय (5) न्यायपालिका**	* न्याय को बताते हैं। * विवादों को निपटारा करने वाली संस्था के बारे में बताते हैं। * न्याय प्रक्रिया को जानते हैं। * न्यायपालिका की स्वतंत्रता से अवगत होते हैं। * भारत में न्यायपालिका की संरचना जानते हैं। * न्यायिक अपील की अवधारणा से अवगत हैं। * लोक अदालत को बताते	* बच्चों से उनके परिवार और आसपास के विवादों को जानते हुए विवादों की समूह चर्चा कर सकते हैं। * पाठ में दिए गए गीता की कहानी बताते हुए उसी प्रकार की अन्य कहानी पर चर्चा करते हुए न्याय को बता सकते हैं। * न्ययपालिका की स्वतंत्रता बनाये रखने के लिए संविधान में अपनाए गए प्रक्रिया की चर्चा करवा सकते हैं। * त्रिस्तरीय न्यायिक व्यवस्था का ग्राफ बना सकते हैं। * जिला स्तर पर वकीलों की संख्या एवं उनके संगठन (डालसा) की गतिविधियों की खबरें अखबारों से संग्रह कर सकते हैं। * डालसा के पदधारकों से चर्चा किया जा सकता है। * पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ 64 में दिए गए तालिका की सहायता	3 कार्य दिवसों मे

		हैं। * ग्राम कचहरी से उच्च न्यायालय तक मुकदमों की चलने वाली प्रक्रिया के बारे में जानते हैं। * दीवानी और फौजदारी मामलों में अंतर जानते हैं।	से फौजदारी मुकदमों की चर्चा कर सकते हैं। * पाठ्यपुस्तक के आधार पर दीवानी और फौजदारी मामले के अंतर को बता सकते हैं।	
* न्यायिक प्रक्रिया की जानकारी रखते हैं। * न्याय व्यवस्था के व्यवहारिक प्रक्रिया को जानते हैं। * दलितों के विरूद्ध शोषण एवं हिंसा की स्थिति मे अनुसुचित जाति थाना की व्यवस्था के संदर्भ में जानकारी रखते हैं। * F.I.R. दर्ज करने की प्रक्रिया को जानता है। * दीवानी और फौजदारी मुकदमों को जानते हैं।	**अध्याय (6) न्यायिक प्रक्रिया**	* विवादों को जानते हैं। * ग्राम कचहरी को जानते हैं। * पुलिस के काम को बताते हैं। * SC/ST कल्याण थाना के उद्देश्य को बताते हैं। * F.I.R. को जानते हैं। * छानबीन की प्रक्रिया को जानता है। * पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के पूर्व और पश्चात की जाने वाली सावधानी के बारे में जानते हैं। * जमानती और गैर जमानती अपराध के बारे में जानते	* विनोद और अवधेश के बीच जमीन के झगड़े और न्यायिक प्रक्रिया कहानी के रूप में सुनाते हैं। * पुलिस के कार्यों की चर्चा कर सकते हैं। * SC/ST थाने की चर्चा कर सकते हैं। * F.I.R. की प्रक्रिया पर चर्चा किया जा सकता है। * तत्पश्चात मामले की छानबीन की चर्चा कर सकते हैं। * गिरफ्तारी की प्रक्रिया को वर्ग कक्ष में वर्णन कर सकते हैं। * उपर के उदाहरण की सहायता से जमानती एवं गैर जमानती अपराध के अंतर को बता सकते हैं। * जमानत के लिए पहली पेशी एवं गवाही की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं। * पुलिस, वकील एवं मजिस्ट्रेट के कार्यो की चर्चा कर सकते हैं। * निचली अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की प्रक्रिया की चर्चा कर सकते हैं।	3 कार्य दिवसों में

		हैं। * पुलिस और मजिस्ट्रेट के कार्यो के बीच अन्तर करते हैं।		
* सहकारिता की अवधारणा को जानते हैं। * सहकारी समितियों की कार्य पद्धति को बताते हैं। * सहकारिता के लाभ एवं उसकी समस्याओं को बताते हैं। * पैक्स या अन्य सहकारी समितियों के बारे में जानते हैं।	**अध्याय (7) सहकारिता**	* सहकारिता के अवधारणा को बताते हैं। * सहकारिता की कार्य पद्धति को बताते हैं। * सहकारिता के लाभ एवं समस्या को बताते हैं। * अपने आस–पास चलने वाली सहकारी समितियों के नाम बताते हैं। * पैक्स उपभोक्ता सहकारी समिति आदि के बारे में बताते हैं। * सहकारिता में समानता के तत्त्व को जानते हैं।	* पाठ के पृष्ठ 68 में दी गई गतिविधि करवा सकते हैं। * पाठ में दिए गए माधोपुर की कहानी की सहायता से सहकारिता की अवधारणा को स्पष्ट करते हैं। * सहकारिता की आवश्यकता की चर्चा कर सकते हैं। * पैक्स, उपभोक्ता सहकारी समितियों की कार्य पद्धतियों की जानकारी दे सकते हैं। * सहकारी समितियों की विशेषता एवं कमजोरियों की चर्चा करते हैं। * सहकारिता के माध्यम से समानता के तत्त्व की समूह चर्चा कर सकते हैं।	3 कार्य दिवसों में
* अभिवंचित समूह के हासिए पर होने के कारणों की परिस्थितियों को जानते हैं। * कुपोषण एवं आर्थिक	**अध्याय (8) खाद्य सुरक्षा**	* कुपोषण के बारे में जानते हैं। * कुपोषित बच्चों को पहचानते हैं। * कुपोषण के कुप्रभाव को	* शिक्षक बच्चों से आसपास रह रहे कुपोषित बच्चों के माध्यम से कुपोषण की चर्चा कर सकते हैं। * पाठ में दिए गए चित्रों को देखकर अपने आस–पास के कुपोषित बच्चों को पहचान सकते हैं। * शिक्षक कुपोषण के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों और कारणों	2 कार्य दिवसों में

विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे कार्य को जानते हैं।		जानते हैं। * कुपोषण हेतु उत्तरदायी कारणों एवं परिस्थितियों को जानते हैं। * अनाज भंडार, F.C.I., जन वितरण प्रणाली को जानते हैं।	की जानकारी बातचीत के माध्यम से दे सकते हैं। * अपने घर में किए गए अन्न भंडारण की चर्चा करते हुए F.C.I. की चर्चा कर सकते हैं। * अपने गाँव के सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान की चर्चा कर सकते हैं।	

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–X

विषय–सामाजिक विज्ञान

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch-up Course)

कक्षा– 10 (कक्षा–9 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा–10 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की पाठ्य सामग्री)

विषयः–सामाजिक विज्ञान (इतिहास) इतिहास की दुनिया

समान अधिगम प्रतिफल के आधार पर पाठों को समायोजित कर कार्य दिवसों के आधार पर विभक्त किया गया है। मूल पाठों की संख्या–08 है, जिसे समायोजन के पश्चात–05 (पाँच) अध्यायों के अन्तर्गत रखा गया है।

अधिगम प्रतिफल	क्रम संख्या	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ का नाम	अवधि
भौगोलिक खोजों एवं उसके परिणाम और महत्व को स्पष्ट करते हैं।	1	1	भौगोलिक खोजें	02 कार्य दिवसों में
अमेरिकी स्वतंत्रता संघर्ष का विश्व इतिहास के लिए महत्व को जानते हैं।	2	2	अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम	02 कार्य दिवसों में
फ्रांसीसी क्रांति की आधुनिक युग के निर्माण में महत्पूर्ण भूमिका की समझ होगी।	3	3	फ्रांस की क्रांति	04 कार्य दिवसों मे
विश्वयुद्धों के कारणों के अंतर्गत साम्राज्यवादी स्पर्धा और उग्र राष्ट्रवाद की समझ होगी। संयुक्त राष्ट्रसंघ के महत्व को जानेंगे। तानाशाही/अधिनायकवादी शासन व्यवस्था के स्वरूप की समझ होगी।	4	4 5 7	विश्व युद्धों का इतिहास नाजीवाद शान्ति के प्रयास	06 कार्य दिवसों में
जनजातीय विद्रोह के कारणों एवं उसके परिणाम को स्पष्ट करेंगे। संथाल और मुण्डा विद्रोह के महत्व को जानेंगे।	5	6 8	वन्य समाज और उपनिवेशवाद कृषि और खेतिहर समाज	04 कार्य दिवसों में
			पुनरावृत्ति	02 कार्य दिवसों में

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch-Up-Course)

कक्षा 10 (कक्षा–9 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 10 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

कक्षा - X

विषयः–सामाजिक विज्ञान (इतिहास की दुनिया)

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि
Learning Outcomes	Chpapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Duration
• आधुनिक युग की शुरूआत की परिस्थिति एवं घटनाओं को बताते हैं। • भौगोलिक खोजों, उसके बाद उत्पन्न परिस्थितियों/परिणामों को स्पष्ट करते हैं। • अंधकार युग की अवधारणा की समझ विकसित है।	**1. भौगोलिक खोजें**	• कुस्तुनतुनिया के पतन (1453 ई0) के बाद उत्पन्न परिस्थितियों को बताते हैं। • भौगोलिक खोजों के बाद नए क्षेत्रों, देशों, मार्गों की जानकारी देते हैं। • पुनर्जागरण, धर्म सुधार आंदोलन की परिस्थिति और अवधारणा को स्पष्ट करते हैं। • दिशा–सूचक यंत्र और उसके महत्व को बताते हैं।	• शिक्षक विश्व मानचित्र के आधार पर भौगोलिक खोजों के बाद नए क्षेत्रों और देशों का विश्लेषण कर सकते हैं। • समुद्री मार्ग और इसके महत्व तथा परिणाम की व्याख्या शिक्षक कर सकते हैं। • बास्कोडिगामा की भारत यात्रा और उसके महत्व की व्याख्या नक्शे के साथ कर सकते हैं। • औपनिवेशिक साम्राज्यों के विकास की व्याख्या पाठ्य पुस्तक के आधार पर शिक्षक बच्चों के साथ कर सकते हैं। • गतिविधिः– मानचित्र पर भौगोलिक मार्गो और खोजे गए नये देशों/क्षेत्रों का अंकन/छात्रो द्वारा करा सकते हैं।	2 कार्य दिवसों में

• स्वतंत्रता, गणतंत्र, मौलिक अधिकार, स्वतंत्र न्यायपालिका, मताधिकार जैसी अवधारणाओं का विश्लेषण करते हैं। • अमेरिकी स्वतंत्रता संघर्ष का विश्व इतिहास के लिए महत्व को जानते हैं। • उपनिवेशवादी व्यवस्था को बताते हैं।	**2. अमेरीकी स्वतंत्रता संघर्ष**	• नई दुनिया/ अमेरिका की खोज के महत्व को बताते हैं। • उपनिवेशवादी व्यवस्था को स्पष्ट करते हैं। • अमेरिकी स्वतंत्रता संघर्ष की घटनाओं से परिचित हैं। • बोस्टन चाय पार्टी के महत्व को बताते हैं। • ईंग्लैण्ड की पराजय के कारणों को बताते हैं।	• मानचित्र पर संयुक्त राज्य अमेरिका एवं वहाँ इंग्लैण्ड के 13 उपनिवेशों को शिक्षक द्वारा बच्चों को बता सकते हैं। • अमेरिकी स्वतंत्रता संघर्ष के परिणाम और महत्व को चार्ट पेपर पर शिक्षक द्वारा दर्शाना। • पाठ्य पुस्तक के आधार पर स्वतंत्रता संघर्ष से निकले आधुनिक राजनैतिक सामाजिक विचारों की व्याख्या शिक्षक कर सकते हैं। • अमेरिका की आजादी का विश्व इतिहास में हुए प्रभावों पर चर्चा, बच्चों के साथ शिक्षक कर सकते हैं।	2 कार्य दिवसों में
• इतिहास में फ्रांसीसी क्रांति के महत्व और परिणाम को छात्र जानते हैं। • रूसो, वाल्टेयर एवं मांटेस्क्यू के विचारों को बताते हैं। • मानव एवं नागरिकों के अधिकार, स्वतंत्रता, समानता एवं भ्रातृत्व जैसी अवधारणाओं को स्पष्ट करते हैं। • फ्रांसीसी क्रांति ने आधुनिक विश्व का मार्ग प्रषस्त किया, इसे समझा	**3. फ्रांस की क्रांति**	• फ्रांस की तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत हैं। • लुई–XVI की प्रशासनिक असफलता को बताते हैं। • क्रांति के समय फ्रांस की सामाजिक स्थिति की समझ है। • क्रांति में विचारकों की भूमिका को बताते हैं। • फ्रांसीसी क्रांति के घटना क्रम से परिचित हैं।	• पाठ्य–पुस्तक के आधार पर क्रांति के कारणों का विश्लेषण शिक्षक छात्रों के साथ कर सकते हैं। • क्रांति के कारणों का श्यामपट्ट पर विश्लेषण कर सकते हैं। • फ्रांसीसी क्रांति के महत्व और परिणाम पर समूह चर्चा छात्रों के साथ कर सकते हैं। • भारत के साथ फ्रांसीसी क्रांति के संबंध पर परिचर्चा। (टीपू सुल्तान के संदर्भ में–कक्षा आठवीं की पाठ्य पुस्तक से) • फ्रांसीसी विचारकों के विचारों का	4 कार्य दिवसों में

पाते हैं।		• क्रांति के परिणाम एवं महत्व को बता पाते हैं।	आधुनिक युग के निर्माण में योगदानों पर समूह चर्चा छात्रों के साथ कर सकते हैं। • क्रांति के चरण में आतंक के शासन (जैकोबिन दल) की भूमिका का विश्लेषण कर सकते हैं। • क्रांति की परिस्थितियों से नेपोलियन के उत्कर्ष पर परिचर्चा। (विस्तृत अध्ययन के लिए वर्ग दशम् के पाठ्य–पुस्तक का सहयोग लिया जा सकता है)	
• साम्राज्यवादी स्पर्धा, उग्र राष्ट्रीयता/राष्ट्रवाद को बताते हैं। • अधिनायकवादी–तानाशाही शासन व्यवस्था को स्पष्ट करते हैं। • मिलजुलकर सभी देशों के द्वारा राजनैतिक विवादों को सुलझाने के प्रयास को समझाते हैं। • राष्ट्र संघ एवं संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना और उद्देश्यों को स्पष्ट करते हैं। • पूँजीवादी–समाजवादी स्पर्धा को समझाते हैं। • संयुक्त राष्ट्रसंघ की	**4. विश्वयुद्धों का इतिहास** **5. नाजीवाद** **7. शांति का प्रयास**	• साम्राज्यवाद की स्पर्धा के दुष्प्रभाव को बताते हैं। • उग्र राष्ट्रवाद के परिणामों से परिचित हैं। • प्रथम विश्वयुद्ध के कारणों का विश्लेषण करते हैं। • मुसोलिनी, हिटलर की शासन व्यवस्था और विचारों से परिचित हैं। • राष्ट्रों के गुटबंदी का विश्लेषण विश्व युद्ध के संदर्भ में करते हैं। • सोवियत रूस के प्रथम विश्वयुद्ध से अलग होने एवं संयुक्त राज्य अमेरिका के सम्मिलित होने की परिस्थिति को	• विश्व मानचित्र पर विश्वयुद्धों में सम्मिलित देशों का अंकन से विश्लेषण शिक्षक द्वारा किया जा सकता है। • चार्ट पेपर पर/श्यामपट्ट पर प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्धों के कारणों एवं परिणामों का प्रदर्श एवं विश्लेषण शिक्षक कर सकते हैं। • विश्वयुद्धों में सम्मिलित गुटों में बँटे देशों का नामकरण एवं विश्लेषण कर (पाठ्य–पुस्तक के आधार पर) सकते हैं, छात्र श्यामपट्ट पर देशों का नाम अंकित कर सकते हैं। • समूह चर्चाः– राष्ट्रसंघ एवं संयुक्त राष्ट्रसंघ की महत्ता पर समूह चर्चा। • द्वितीय विश्वयुद्ध के लिए उत्तरदायी कारणों में अधिनायकवादी–तानाशाही	6 कार्य दिवसों में

वर्तमान समय में प्रासंगिकता को स्पष्ट करते हैं।		बता पाते हैं। • द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण–परिणाम की समझ है। • नाजीवादी दर्शन और उसके परिणामों को बताता है। • राष्ट्रसंघ और संयुक्त राष्ट्रसंघ के अंगों को बताता है। • राष्ट्रसंघ की असफलता की परिस्थितियों से परिचित है।	व्यवस्था एवं व्यक्तित्वों की भूमिका का विश्लेषण शिक्षकों के द्वारा। • Activity:-नाजीवाद के यहूदी संकेन्द्रण शिविरों का जर्मनी के मानचित्र पर दर्शाना। • छात्र संयुक्त राट्रसंघ के वर्तमान सदस्य देशों का विश्व मानचित्र पर अंकन कर सकते हैं।	
	6. वन्य–समाज और उपनिवेशवाद **8. कृषि और खेतिहर समाज**	• जनजातीय सामाजिक राजनीतिक जीवन को बताते हैं। • जनजातीय समाज के धार्मिक जीवन एवं प्रतीकों के बारे में बताते हैं। • बिहार झारखण्ड में हुए जनजातीय विद्रोह एवं उनके नेताओं के विषय में बताते हैं। • बिरसा मुण्डा के धार्मिक महत्व को बताते हैं। • झारखण्ड के जनजातीय नेताओं का उनके समाज में क्या महत्व है, इसकी	• पाठ्य–पुस्तक के आधार पर जनजातीय समाज में औपनिवेशिक शासन के बाद हुए बदलावों का विश्लेषण शिक्षक कर सकते हैं। • जनजातीय विद्रोह के कारण और परिणामों पर समूह चर्चा। • श्यामपट्ट कार्यः– विद्रोह, नेता और वर्ष तथा प्रभावित क्षेत्र। • मानचित्र के माध्यम से जनजातीय विद्रोह के क्षेत्र का अवलोकन। • चार्ट पेपर पर उत्पादित फसलों का उल्लेखः–फसल चक्र के परिपेक्ष्य में भदई, अगहनी, रबी एवं गर्मा फसलों की सूची श्यामपट्ट पर बच्चों द्वारा अंकित किया जा सकता है।	4 कार्य दिवसों में

	पुनरावृति	समझ है। • भारत और बिहार में उपजाई जाने वाली फसलों के प्रकार एवं उसके भौगोलिक परिस्थितियों को जानते हैं। • औपनिवेशिक शासन के दौरान या उसके बाद जनजातीय समाज में आए बदलावों को समझते हैं। • खाद्यान्न–फसलों एवं नकदी फसलों में अंतर कर पाते हैं।		2 कार्य दिवसों में

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–X

विषय–सामाजिक विज्ञान

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch up Course)

कक्षाः– 10 (कक्षाः–9 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 10 में पढ़ रहे है, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

विषयः– सामाजिक विज्ञान (भूगोल)

समान अधिगम प्रतिफल के आधार पर पाठों को समेकित कर कार्य दिवसों के आधार पर विभक्त किया गया है। मूल पाठों की संख्या 13 (तेरह) है, जिसे समेकन के पश्चात 6 (छः) अध्यायों के अंतर्गत रखा गया है।

अधिगम प्रतिफल	क्रम संख्या	पाठक्रम संख्या	अध्याय	अवधि
• भारत, एशिया एवं राज्यों के मानचित्र एवं ग्लोब का उपयोग करते हुए भारत की स्थिति एवं विस्तार को बताते हैं।	1.	1.	स्थिति एवं विस्तार	5 कार्य दिवसों में
• भारत के सभी भौतिक विभागों, सभी प्रमुख स्थलाकृतियों के बारे में बताते एवं मानचित्र पर उन्हें दर्शाते हैं।	2.	2.	भौतिक स्वरूप संरचना एवं उच्चावच	5 कार्य दिवसों में
• भारत की सभी नदियों, झीलों एवं नदी घाटी योजनाओं के बारे में बताते एवं मानचित्र पर दर्शाते हैं।	3.	3.	अपवाह स्वरूप	3 कार्य दिवसों में
• जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों की LANDFORMS (संक्षिप्ताक्षर) द्वारा सरलता से बताते है, तथा भारतीय कृषि का मानसून पर निर्भरता की व्याख्या करते हैं।	4.	4. 5. 6. 7.	जलवायु प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य प्राणी जनसंख्या भारत के पड़ोसी देश	2 कार्य दिवसों में
• वन के महत्व को बताते हैं, संकटग्रस्त प्राणियों के प्रति संवेदनशील हैं तथा भारत के मानचित्र पर सभी प्रमुख वनस्पति क्षेत्रों एवं जीव मंडल को दर्शाते हैं।	5.	8. 9.	मानचित्र अध्ययन क्षेत्रीय अध्ययन	2 कार्य दिवसों में
• मानवीय भूल के कारण होनेवाली आपदाओं एवं आपदा के प्रभाव को कम करने तथा उनसे बचाव के बारे में बताते हैं।	6.	10. 11. 12.	आपदा प्रबंधन मानवीय गलतियों के कारण घटित आपदायेः नाभिकीय, जैविक और रासायनिक सामान्य आपदायेंः निवारण एवं नियंत्रण	3 कार्य

		13.	समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन	दिवसों में

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch up Course)

कक्षाः– 10 (कक्षाः–9 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 10 में पढ़ रहे है, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

कक्षा – 10

विषय – सामाजिक विज्ञान (भूगोल)

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि
Learning Outcomes	Chpapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Duration
• भारत के उत्तरी–दक्षिणी, पूर्वी–पश्चिमी भौगोलिक विस्तार को बताते हैं। • पड़ोसी देशों की अवस्थिति भारत के संदर्भ में बताते हैं। • सभी राज्यों राजधानियों सहित नाम और समुद्र तटों का वर्णन करते हैं। • भारत की चौहद्दी और देशों को अलग करने वाली सीमा रेखाओं के बारे में बताते हैं। जलवायविक विभिन्नता के कारकों की व्याख्या करते हैं।	**1. स्थिति एवं विस्तार**	• भारत के मानचित्र पर राज्यों और पड़ोसी देशों को चिह्नित कर सकते हैं। • भारतीय मानक समय को जानते हैं। • बिहार का शोक, सार्क सदस्य देशों एवं विभिन्न सीमा रेखाओं के नाम बता सकते हैं। • भारत के अक्षांशीय और देशांतरीय विस्तार को समझा सकते हैं। • भौगोलिक अवस्थिति के कारण जलवायविक विभिन्नता के प्रभाव को बता सकते हैं। • भारत के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्र के सूर्योदय तथा सूर्यास्त के अंतराल में दो घंटे का अंतर कैसे होता है, इसे विस्तार से समझा सकते	• भारत, एशिया एवं राज्यों के मानचित्र का उपयोग करते हुए भारत भूमि की स्थिति एवं विस्तार को स्पष्ट कर सकते हैं। • ग्लोब की सहायता से भारत के अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार तथा यू–ट्यूब की मदद से भारत के भौगोलिक विस्तार, दूरियों को दिखाया जा सकता है। • अखबारों से पड़ोसी देशों एवं विभिन्न राज्यों की खबरों को एकत्रित करके उसपर चर्चा कर अवधारणा को स्पष्ट कर सकते है।	5 कार्य दिवसों में

		हैं।		
• भारत के सभी भौतिक विभागों को जानते हैं तथा उनकी विशेषताओं के बारे में बताते हैं। • नदियों के प्रवाह, विभिन्न पर्वत शिखरों, दोआब, तथा मैदानी क्षेत्रों से पूर्ण परिचित हैं। • भारत के पर्यटन स्थलों, को जानते हैं तथा उनकी विशेषताओं से अवगत हैं। • विन्ध्याचल, छोटानागपुर, लैगून, कोंकण के भौगोलिक विशेषताओं से परिचित हैं। • मानचित्र पर विभिन्न उच्चावच एवं संरचनाओं को अलग–अलग रंगों से दर्शाते हैं।	**2. भौतिक स्वरूप, संरचना एवं उच्चावच**	• प्लेट विवर्तनिक को समझा सकते हैं एवं उसके द्वारा निर्मित विभिन्न भौतिक संरचनाओं एवं उच्चावच को विस्तार से समझा सकते हैं। • भारत के विभिन्न नदियों, दर्रो, मैदानों के बता सकते हैं। • हिमालय के पर्वत श्रेणियों, द्वीप समूहों, मरूस्थल को बता सकते हैं। • दक्कन के पठार को बता सकता हैं। • मानचित्र पर सभी भौतिक विभागों को दर्शा सकते हैं।	• मानचित्र एवं ग्लोब की सहायता से विभिन्न विभागों से परिचित करवाऐंगे। • यू–ट्यूब तथा अखबार में छपी खबरों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों की विशेषताओं से परिचित करा सकते हैं। • नेशनल ज्योग्राफिकल चैनल से भौतिक संरचना एवं उच्चावच को समझानें में मदद ले सकते हैं। • थर्मोकोल, चार्ट पेपर आदि की मदद से बहुआयामी मॉडल निर्माण करवाकर अवधारणा को अधिक स्पष्ट कर सकते हैं।	5. कार्य दिवसों मे
• अपवाह तंत्र को परिभाषित करते हैं। • भारत की सभी नदियों के उद्गम स्थल, तथा मुहाने आदि को बताते हैं। • झीलों के प्रकार की व्याख्या करते हैं।	**3. अपवाह स्वरूप**	• जल प्रवाह तंत्र का अर्थ समझा सकते हैं। • भारत की सभी प्रमुख नदियों तथा उसके उद्गम स्थल को समझा सकते हैं। • मानचित्र पर नदियों के प्रवाह तंत्र को दर्शा सकते हैं।	• मानचित्र पर नदी घाटी परियोजनाओं, नदियों के प्रवाह तंत्र, झीलों की अवस्थिति को भिन्न–भिन्न रंगों से दर्शा सकते हैं। • अखबार के कतरनों, सरकारी निर्देशों को वर्ग	3 कार्य दिवसों मे

• नदियों के महत्व को समझते हैं तथा उनके संरक्षण के प्रति संवेदनशील हैं। • बहुद्देशीय योजना का विस्तार से वर्णन करते हैं।		• नदियों के महत्व की चर्चा कर सकते हैं। • झीलों के प्रकार के बारे में विस्तार से बता सकते हैं। • नदियों पर विकसित बहुद्देशीय परियोजना के लाभ की विस्तृत व्याख्या कर सकते हैं।	कक्ष में दिखाकर इनकी अवधारणाओं से अवगत करवाऐंगे। • मानव सभ्यता के जीवन रेखा के रूप में नदियों के महत्व की चर्चा कर सकते हैं। • विभिन्न प्रकार के झीलों के चित्र प्रदर्शित करके अवधारणा स्पष्ट कर सकते हैं। • यू–ट्यूब पर उपलब्ध नदियों के उद्‌गम स्थल तथा झीलों को स्पष्ट करवा सकते हैं।	
• बच्चे मौसम तथा जलवायु को परिभाषित करते हैं। • भारतीय जलवायु को प्रभावित करनेवाले कारकों को LANDFORMS के द्वारा सरलता से बताते हैं। • भारतीय मानसून का कृषि के साथ परस्पर निर्भरता की बखूबी व्याख्या करते हैं। • विभिन्न वर्षा क्षेत्रों को भारत के मानचित्र पर दर्शाते हैं।	**4. जलवायु** **नोटः– पाठ 5, 6, एवं 7 को कक्षा 9(भूगोल) में बताया गया है।**	• जलवायु और मौसम में अंतर स्पष्ट कर सकते हैं। • जलवायु को नियंत्रित करने वाले कारकों की चर्चा कर सकते हैं। • एलनिनों तथा ला निना की उत्पति के कारण एवं उससे पड़ने वाले प्रभाव की चर्चा कर सकते हैं। • भारत की ऋतुओं को वर्गीकरण उसकी समयावधि एवं तापांतर के आधार पर कर सकते हैं। • मानचित्र के द्वारा विभिन्न	• भारत के प्राकृतिक पर्यावरण को समझाने के लिए यहाँ के जलवायु की विशेषताओं की विस्तार से चर्चा करेंगे। • जलवायु को प्रभावित करनेवाले कारकों के लिए संक्षिप्ताक्षर (LANDFORMS) का प्रयोग कर इसके प्रत्येक अल्फाबेट का विस्तार से व्याख्या कर सकते हैं। • मानसून की उत्पति एवं उसके वितरण को मानचित्र	2. कार्य दिवसों मे

		जलवायविक क्षेत्रों को स्पष्ट कर सकते हैं।	के माध्यम से स्पष्ट कर सकते हैं। • विपरीत जलवायु वाले प्रदेशों, खान–पान, रहन–सहन, फसल उत्पादन आदि का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करते हुए जलवायु की उपादेयता को स्पष्ट कर सकते हैं।	
• प्राकृतिक वनस्पति तथा बगीचे में अंतर स्पष्ट करते हैं। • भारत के मानचित्र पर सुंदरवन, प्रमुख वनस्पति क्षेत्र तथा जीवमंडल को दर्शाते हैं। • जीवोम तथा पारिस्थितिक तंत्र के बारे में बतातें हैं। • रेड डाटा बुक के बारे में जानते हैं।	**5. क्षेत्रीय अध्ययन**	• प्राकृतिक वनस्पति को परिभाषित कर, वन्य जीवों के बारे में चर्चा कर सकते हैं। • पारिस्थितिक तंत्र की विस्तृत व्याख्या कर सकते हैं। • संकटग्रस्त प्राणियों के बारे में बताकर उनकी सूची बनवा सकेंगे। • मानव के अस्तित्व के लिए वनस्पति एवं प्राणी जगत के महत्व का वर्णन करेंगे।	• वनों के महत्व की चर्चा बच्चों के समक्ष कर सकते हैं। • वन की विभिन्न प्रकारों तथा विशेषताओं को स्पष्ट करेंगे। • भारत में वनस्पति एवं वन्य प्राणियों में विविधता के कारकों का वर्णन कर सकते हैं। • जैव विविधता में हमारे देश के समृद्ध होने के कारण की चर्चा कर सकते हैं।	2. कार्य दिवसों में
• बच्चे विभिन्न प्रकार के आपदाओं के बारे में बताते हैं। • आपदा प्रभावित लोगों की सहायता करने हेतु संकल्पित हैं।	**6. आपदा प्रबंधन**	• आपदा को परिभाषित कर उसके प्रकारों के बारे में बता सकते हैं। • आपदा प्रभावित लोगों को किस प्रकार सहायता पहुँचाऐंगे इसपर	• आपदा प्रबंधन के घटकों की चर्चा कर सकते हैं। • आपदा को कम करने के उपायों के बारे में बता सकते हैं। • मानवीय भूल के कारण	3 कार्य दिवसों में

• अम्लीय वर्षा तथा इसके प्रभाव के बारे में बताते हैं। • संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों को बताते हैं। • सड़क यात्रा के दौरान रखे जाने वाली सावधानियों के बारे में बताते हैं। • आपदा प्रबंधन में समुदाय के अच्छे गुण की व्याख्या करते हैं। •		विचार–विमर्श कर सकते हैं। • भोपाल गैस कांड का उदाहरण देकर मानवीय भूल से होनेवाले आपदाओं को स्पष्ट कर सकते हैं। • जैविक आपदा की चर्चा कर सकते हैं। • सड़क एवं रेल यात्रा के दौरान बरती जानेवाली तथा महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा कर सकते हैं। • आपदा प्रबंधन के प्रमुख अंगों को स्पष्ट कर सकते हैं।	होनेवाले आपदाओं की चर्चा कर सकते हैं। • सड़क एवं रेल दुर्घटनाओं से होनेवाली क्षति एवं सावधानियों पर चर्चा कर सकते हैं। • आगलगी तथा साम्प्रदायिक दंगों के रोकथाम के उपायों पर चर्चा कर सकते हैं। • आपदा प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने के उपायों की चर्चा कर सकते हैं।	

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–X

विषय–सामाजिक विज्ञान

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch-up course)

कक्षा 10 (कक्षा 9 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा 10 में पढ़ रहे है, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

विषयः सामाजिक विज्ञान (राजनीति शास्त्र)

समान अधिगम प्रतिफल के आधार पर पाठों को समेकित कर कार्य दिवस के आधार पर विभक्त किया गया है। मूल पाठों की संख्या 6 (छः) है जिसे समेकन के पश्चात् 5(पाँच) अध्यायों के अंतर्गत रखा गया है।

अधिगम प्रतिफल	क्रम संख्या	पाठ क्रम संख्या	पाठ का नाम	अवधि
• लोकतंत्र के विकास एवं विस्तार से परिचित है एवं लोकतंत्र के अर्थ एवं उसकी विशेषताओ की जानकारी है।	1	1 2	लोकतंत्र का क्रमिक विकास लोकतंत्र क्या अैर क्यों?	03 कार्य दिवसों में
• संविधान निर्माण की प्रक्रिया एवं संविधान की समझ, कार्य एवं उसके बुनियादी मूल्यों से परिचित हैं।	2	3	संविधान निर्माण	02 कार्य दिवसों में
• लोकतंत्र में चुनाव के महत्त्व को जानते है एवं भारत की चुनाव प्रणाली को बताते हैं।	3	4	चुनावी राजनीति	02 कार्य दिवसों में
• लोकतांत्रिक संस्थाओं के कामकाज की व्याख्या करते हैं एवं संसद के दोनों सदन लोकसभा एवं राज्यसभा से परिचित हैं।	4	5	संसदीय लोकतंत्र की संस्थाएँ	02 कार्य दिवसों में
• लोकतांत्रिक अधिकार एवं उसके महत्त्व को जानते हैं एवं संविधान में मौलिक अधिकारों की महत्ता का विशलेषण करते हैं।	5	6	लोकतांत्रिक अधिकार	01 कार्य दिवसों में

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch-Up Course)

कक्षा 10 (कक्षा 9 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा 10 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

कक्षा–10 विषयः– सामाजिक विज्ञान (राजनिति शास्त्र)

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Duration
बच्चे/छात्र • विश्व स्तर पर लोकतंत्र के विकास एवं विस्तार को जानते हैं। • लोकतंत्र के विकास में आनी वाली चुनौतियों एवं बाधा से परिचित हैं। • लोकतंत्र के लिए हुए जन संघर्षो को जानते हैं। • वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक संस्था के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ को जानते हैं। • लोकतंत्र के अर्थ एवं उसकी विशेषता से अवगत है। • लोकतंत्र के पक्ष एवं विपक्ष को बता सकते हैं।	**पाठ – 1 लोकतंत्र का क्रमिक विकास** **पाठ – 2 लोकतंत्र क्या और क्यों**	• चिली एवं नेपाल में लोकतंत्र हेतु संघर्ष को बताते हैं। • पोलैंण्ड में लोकतंत्र के लिए हुए संघर्ष एवं बांग्लादेश में हुए संघर्ष को जानते हैं। • लोकतंत्र के अर्थ और विशेषताओं को जानते हैं। • लोकतंत्र के विस्तार के विभिन्न चरण को जानते हैं। • संयुक्त राष्ट्र संघ एवं उसके मुख्य अंग को जानते हैं। • लोकतंत्र के पक्ष एवं विपक्ष को जानते हैं। • सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार से परिचित होते हैं।	शिक्षक • पाठ्य–पुस्तक में दिए गए चिली और पोलैंण्ड की घटना के माध्यम से बच्चों को लोकतंत्र की स्थापना के लिए हुए संघर्षो की जानकारी दे सकते हैं। • लोकतंत्र की स्थापना में आने वाली चुनौती एवं बाधाओं की चर्चा कर सकते हैं। • लोकतंत्र की विशेषताओं का वर्णन कर सकते हैं। • लोकतंत्र के विस्तार के विभिन्न चरणों का विश्लेषण कर सकते हैं। • भारत के पड़ोसी देश में लोकतंत्र की समाप्ति एवं पुनः स्थापना के संघर्ष की चर्चा करते हैं। • संयुक्त राष्ट्र संघ एवं उसके मुख्य अंग तथा कार्यो की चर्चा तथा चार्ट पेपर पर प्रदर्शित कर सकते हैं। • पाठ के आधार पर लोकतंत्र की अवधारणा की चर्चा कर सकते है।	3 कार्य दिवसों में

			• पाकिस्तान में लोकतंत्र की स्थिति की जानकारी पाठ् पुस्तक के आधार प्राप्त कर सकते हैं। • दुरर्दशन में संसद के बहस को सुनते एवं दिखाते है उसके बहस के आधार पर लोकतंत्र के पक्ष एवं विपक्ष की चर्चा कर सकते है। • पाठ पुस्तक में दिए गये मानचित्र के आधार पर बच्चों से लोकतांत्रिक देशों की सूची बनाने को कह सकते है। • व्यस्क मताधिकार की समझ के लिए समूह चर्चा शिक्षक बच्चों से करवा सकते है। • लोकतंत्र के पक्ष–विपक्ष पर बच्चों के बीच समूह चर्चा।	
• संविधान निर्माण की प्रक्रिया को जानते है। • संविधान के विशेषताओं से अवगत है। • संविधान की समझ है एवं उसके कार्य को जानते हैं। • भारतीय संविधान के बुनियादी मूल्यों की समझ है। • सम्प्रभुता लोकतांत्रिक गणराज्य, धर्मनिरपेक्षता, संघीय शासन प्रणाली, स्वतंत्र न्यापालिका को जानते हैं।	**पाठ – 3 संविधान निर्माण**	• दक्षिण अफ्रिका में लोकतांत्रिक संविधान के विकास को जानते हैं। • संविधान के कार्य के मुख्य आधार को जानते हैं। • भारतीय संविधान निर्माण को जानते हैं। • संविधान सभा को जानते हैं। • भारतीय संविधान के बुनियादी मूल्यों को जानते हैं। • भारतीय संविधान के प्रस्तावना को जानते हैं। • भारतीय संविधान के आधारभूत	• पाठ्य पुस्तक में दिए गए रंग भेद की चर्चा करते हुए दक्षिण अफ्रिका में लोकतांत्रिक संविधान के विकास का विश्लेषण कर सकते है। • नेल्सन मंडेला के जीवन एवं उनके योगदान को वर्णन कर सकते हैं। • मौलिक अधिकार, मौलिक कर्त्तव्य नीति–निर्देशक तत्व के प्रावधानों का चार्ट पर दिखा सकते है। • नागरिकता एवं उसके लिए प्रावधानों पर बच्चों के साथ समूह चर्चा कर सकते हैं। • संसदीय शासन प्रणाली की समझ के	2 कार्य दिवसों में

		विशेषतायें–समाजवाद लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, संसदीय शासन प्रणाली, स्वतंत्र नयायालय, मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक तत्व नागरिकता के विषय में चर्चा करते हैं।	लिए समूह चर्चा कर सकते हैं। • संविधान के स्वरूप/संरचना को श्यामपट्ट पर दिखा सकते हैं। (भाग–अनुच्छेद इत्यादि।)	
• बच्चे लोकतंत्र में चुनाव के महत्व को समझते हैं। • राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दलों को वर्गीकृत करना बच्चे जानते हैं। • बच्चे मतदाता सूची एवं फोटो पहचान पत्र से परिचित हैं। • चुनाव संबंधी सभी प्रक्रियाओं को बच्चे स्पष्ट रूप से जानते हैं। • लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के वर्गीकरण को समझते हैं। • भारत में चुनाव प्रणाली को बता सकते है।	**पाठ – 4 चुनावी राजनीति**	• लोकतंत्र में चुनाव की जरूरत एवं उपयोगिता को बच्चे जानते हैं। • लोकतंत्र में चुनाव के लिए न्यूनतम शर्तो को बच्चे पहचानते हैं। • भारत की विभिन्न राजनीतिक दलों के बारे में बच्चे जानते हैं। • लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव द्वारा चुने प्रतिनिधि के कार्य काल और उनके कार्यो के विषय में बच्चों को समझ है। • स्वतंत्र निर्वाचन आयोग के अधिकार एवं कार्य से परिचित है। • स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के मायने समझते हैं। • राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, राज्यस्तरीय दलों के बीच के अंतर को स्पष्ट कर सकते हैं।	• शिक्षक बच्चों से लोकतंत्र के प्रचलित एवं व्यवहारिक स्परूप को स्पष्ट कर सकते हैं। • भारत में चुनाव प्रक्रिया पर शिक्षक बच्चों को अपने अभिभावक से चर्चा करने को कह सकते हैं। • भारत की विभिन्न राजनैतिक पार्टियों का एक चार्ट तैयार करने के लिए शिक्षक बच्चों को कह सकते हैं। • भारतीय निर्वाचन प्रणाली पर शिक्षक बच्चों को एक संक्षिप्त नोट लिखने को कह सकते हैं। • शिक्षक बच्चों को चुनाव संबंधी गतिविधियों की सूची बनाने को कह सकते है जिसमें चुनाव में पहले से लेकर आखिर तक के प्रक्रिया स्पष्ट हो। • चुनाव परिणाम के महत्व पर समूह चर्चा कर सकते हैं। • भारतीय लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया पर समूह चर्चा बच्चों से करवा सकते है।	2 कार्य दिवसों में

• बच्चे विभिन्न लोकतांत्रिक संस्थानों के कामकाज की व्याख्या करते है। • लोकतांत्रिक सरकार में निर्णय लेने के तरीके को बच्चे जानते हैं। • लोकतंत्र में विभिन्न विवादों को कैसे हल किया जाता है, बच्चे अवगत हैं। • संसद को कानून बनाने का अधिकार है, बच्चे इस बात को जानते हैं। • संसद के दोनों सदन लोकसभा एवं राज्यसभा से बच्चे परिचित हैं। • राज्य सरकार के कार्य अधिकार को जानते हैं।	**पाठ – 5 संसदीय लोकतंत्र की संस्थाएँ**	• शासन के सम्पूर्ण कार्यों के संचालन हेतु लोकतंत्र के विभिन्न संस्थाओं के कार्यों को जानते हैं। • संसद के प्रमुख कार्यो को जानते हैं। • कार्यापालिका, विद्यायिका एवं न्यापालिका के स्वरूप से अवगत हैं। • संघीय सरकार/राज्य सरकार के अलग–अलग कार्यो को जानते हैं। • राष्ट्रपति के निर्वाचन प्रणाली की समझ है। • प्रधानमंत्री के अधिकार और कार्यो से परिचित है।	• शिक्षक बच्चों के लिए लोकतांत्रिक शब्दों की शब्दावली तैयार करवा सकते हैं। • संघीय स्तर पर केन्द्र सरकार एवं राज्य स्तर पर राज्य सरकार निर्णय एवं फैसले लेती है, शिक्षक बच्चों को बता सकते हैं। • शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ सं0–80 में दिए गए संसद के चित्र को दिखाकर बच्चों को संसद के बारे में समझा सकते हैं। • संसद के कानून बनाने की प्रक्रिया पर परिचर्चा कर सकते है। • शिक्षक विभिन्न विभागों के मंत्रियों के साथ उनके विभागों को सूचीबद्ध करने वाला एक चार्ट तैयार करवा सकते हैं। • लोकतंत्र की कार्यप्रणाली में कार्यपालिका, विधायिका और न्यापालिका की भूमिका पर शिक्षक बच्चों से एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखने को कह सकते हैं। • श्यामपट्ट में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका की संरचना को दिखाना।	2 कार्य दिवसों में
• बच्चे लोकतांत्रिक अधिकार एवं उसके महत्व को जानते है। • लोकतंत्र में अधिकारों की जरूरत को बच्चे समझते हैं।	**पाठ – 6 लोकतांत्रिक अधिकार**	• भारतीय संविधान में दिए गए अधिकारों के बारे में जानते हैं। • लोकतंत्र में आम जनता की सत्ता में साझेदारी व्यक्ति के अधिकारों के माध्यम से होती है बच्चे	• शिक्षक बच्चों को लोकतंत्र के अर्थ एवं उसके महत्व से परिचय करवाते हैं। • लोकतंत्र में आम जनता की सत्ता में साझेदारी होती है और यह साझेदारी व्यक्ति के अधिकारों के द्वारा होती है	1 कार्य दिवस में

• लोकतंत्र में आम जनता की सत्ता में साझेदारी से बच्चे अवगत है। • बच्चे भारतीय संविधान में दर्ज विभिन्न अधिकारों को जानते है। • संविधान में मौलिक अधिकारों की महत्ता का विश्लेषण करते है।		परिचित है। • मौलिक अधिकार एवं अन्य अधिकार के बीच अंतर को जानते हैं। • लोकतंत्र में नागरिक अधिकारों को जानते है।	शिक्षक बच्चों को बता सकते है। • जीवन में अधिकार के महत्व पर परिचर्चा करते है। • लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में नागरिकों के अधिकारों को लिखने की जरूरत को शिक्षक बच्चों के साथ विचार–विमर्श कर सकते हैं। • मौलिक अधिकार की महत्ता एवं उसकी सुरक्षा के लिए किए गए प्रावधान को शिक्षक बच्चों को समूहवार बनाकर उनसे चर्चा करने को कह सकते हैं। • भारतीय संविधान में दिए गए अधिकारों को श्यामपट्ट पर लिखकर शिक्षक बच्चों को पाठ्यपुस्तक की सहायता से विस्तारपूर्वक समझा सकते हैं। • शिक्षक अपने स्कूल के नोटिस बोर्ड के लिए बच्चों से एक अखबार तैयार करवा सकते हैं जिसमें अधिकारों के उल्लंघन की हाल–फिलहाल की घटनाओं की जानकारी हो। • लोकतान्त्रिक अधिकार से सम्बन्धित समाचारों को समाचार पत्र से लेकर स्क्रेप बुक (Scrap Book) में चिपका सकते हैं।	

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–X

विषय–सामाजिक विज्ञान

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री (catch-up course)
कक्षा –10 (कक्षा–6 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 10 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

विषय- सामाजिक विज्ञान (अर्थ शास्त्र)

समान अधिगम प्रतिफल के आधार पर पाठों को समायोजित कर कार्य दिवस के आधार पर विभक्त किया गया है। मूल पाठों की संख्या 6 (छः) है जिसे समायोजन के पश्चात 05 (पाँच) अध्यायों के अंतर्गत रखा गया हैं।

अधिगम प्रतिफल	क्रम संख्या	पाठ क्रम संख्या	पाठ का नाम	अवधि
उत्पादन के साधन के बारे में परिचित हैं।	1.	1.	बिहार के एक गाँव की कहानी	02 कार्य दिवसों में
भारत/बिहार में गरीबी, गरीबी के प्रकार एवं गरीबी को दूर करने वाले योजनाओं से परिचित हैं।	2.	3.	गरीबी	02 कार्य दिवसों में
भारत/बिहार की बेकारी, इसके कारण एवं दूर करने वाले उपायों से परिचित हैं।	3.	4.	बेकारी	02 कार्य दिवसों में
बिहार में कृषि के पिछड़ेपन के कारणों से परिचित हैं।	4.	5.	कृषि, खाद्यान्न सुरक्षा एवं गुणवत्ता	02 कार्य दिवसों में
कृषि कार्य करनेवाले मजदूर और बिहार के कृषक मजदूरों की दशा से परिचित हैं।	5.	6.	कृषक मजदूर	02 कार्य दिवसों में

नोट– पाठ 2 'मानव एक संसाधन' को कक्षा 8 के विषय–भूगोल में बताया गया है।

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch-Up Course)

कक्षा 10 (कक्षा 9 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा 10 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की सामग्री)

कक्षा – 10 विषय– सामाजिक विज्ञान(अर्थशास्त्र)

अधिगम प्रतिफल Learning Outcomes	पाठ Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive Process	अवधि Duration
• उत्पादन से संबंधित मूल विचारों को बच्चे जानते हैं। • उत्पादन के साधन के संबंध में बच्चे अवगत हैं। • गाँव में किसानों के बीच भूमि के वर्गीकरण से बच्चे परिचित हैं। • वस्तुओं और सेवाओं को उत्पादित करने के लिए विभिन्न संसाधनों को समायोजित करने की प्रक्रिया को बच्चे जानते हैं। • एक ही भूमि पर उत्पादन बढ़ाने के अलग–अलग तरीकों को बच्चे समझते हैं।	**पाठ–1 बिहार के एक गाँव की कहानी**	• ग्रामीण परिवेश के बारे में जानते हैं। • उत्पादन तथा उत्पादन के साधनों के बारे में जानते हैं। • उत्पादन तथा उपयोगिता सृजन के तरीके को जानते हैं। • वस्तुओं एवं सेवाओं को वर्गीकृत कर सूचीबद्ध करते हैं। • किसानों के बीच भूमि के बँटवारे से परिचित हैं।	• उत्पादन और उत्पादन गतिविधि के बारे में अपने माता–पिता तथा आस–पास के गाँव और शहर के बारे में चर्चा कर सकते हैं। • उत्पादन के विभिन्न साधनों को सूचीबद्ध कर श्यामपट्ट पर अंकित करके बच्चों को समझा सकते हैं। • शिक्षक कृषि के विभिन्न तरीकों, कृषक भूमि और वितरण से संबंधित मुद्दों पर बच्चों से चर्चा कर सकते है। • पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र के द्वारा बच्चो को खेती के कार्य जैसे– फसल–कटाई, बीज बोना, कीटनाशक का छिड़काव, तथा आधुनिक एवं परम्परागत विधियों से फसलों की जुताई आदि के बारे में बता सकते हैं। • बिहार में खेती एवं किसानों के क्षेत्र के वर्षवार वितरण से संबंधित आँकड़े एकत्रित करके इनकी व्याख्या कर सकते हैं। • अपने क्षेत्र से संबंधित एक सारणी बनायेंगे जिसमें कृषि एवं गैर कृषि उत्पादन, गतिविधियों के बारे में चर्चा कर सकते हैं।	2 कार्य दिवसों में

• भारत/बिहार में गरीबी से बच्चे परिचित हैं। • बच्चे गरीबी के प्रकार एवं गरीबी के प्रति संवेदनशील हैं। • गरीबी रेखा के अभिप्राय से बच्चे अवगत हैं। • बिहार के संदर्भ में बच्चे गरीबी के कारण एवं उन्हें दूर करने के उपायों को जानते हैं। • सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रयासों एवं योजनाओं को बच्चे जानते हैं।	**पाठ–3 गरीबी**	• गरीबी एवं गरीबी के प्रकार के बारे में जानते हैं। • गरीबी के दु:श्चक्र से परिचित हैं। • बिहार के संदर्भ में गरीबी के कारणों को जानते हैं। • बिहार में गरीबी को दूर करने के उपाय सरकारी और गैर सरकारी प्रयासों को जानते हैं। • गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम का अपने गाँव में मूल्यांकन करते हैं।	• शिक्षक विद्यालय के आस–पास के इलाकों में बसने वाले लोगों के जीवन–स्तर का मूल्यांकन कर बच्चों के साथ चर्चा कर सकते हैं। • पाठ्यपुस्तक में दिये गये चित्र के माध्यम से शिक्षक गरीबी के दु:श्चक्र को बच्चों को समझा सकते हैं। • राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन के माध्यम से किए गए सर्वे के द्वारा शिक्षक बच्चों को गरीबी रेखा के मापदंड के बारे में बता सकते हैं। • पाठ्य पुस्तक में दिये गए तालिका तथा आरेख के द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के निर्धनता अनुपात (प्रतिशत में) का बच्चों को अवगत करा सकते हैं। • शिक्षक गरीबी के मुख्य कारणों को सूचीबद्ध करके श्यामपट्ट पर लिख कर बच्चों को बता सकते है। • बिहार में गरीबी को दूर करने के उपायों पर विद्यार्थियों से विचार–विमर्श कर सकते हैं। • विभिन्न योजनाओं के तहत गरीबी दूर करने के लिए सरकार द्वारा जो प्रयास किए जा रहें है उन्हें बच्चों को बता सकते हैं। • देश एवं स्थानीय स्तर पर गरीबी उन्मूलन के लिए किए गए के प्रयासों को बच्चों के साथ विमर्श कर सकते हैं। • शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा भारत में अपनाए गए गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम का अपने गाँव में मूल्यांकन करेंगे और बच्चों को समूहवार कर उनसे विचार–विमर्श कर सकते हैं।	2 कार्य दिवसों में

• बेकारी या बेरोजगारी शब्द से बच्चे परिचित हैं। • भारत/बिहार के संदर्भ में ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों की बेकारी के प्रकार एवं प्रकृति को बच्चे जानते हैं। • बेकारी किन कारणों से उत्पन्न होता है बच्चे. अवगत हैं। • बेकारी को दूर करने एवं रोजगार बढ़ाने के उपाय को बच्चे जानते है। • भारत/बिहार में बेकारी को दूर करने के सरकारी प्रयास को बच्चे जानते हैं। • बेकारी लोगों के जीवन स्तर को प्रभावित करते है, इससे बच्चे अवगत हैं।	**पाठ – 4 बेकारी**	• बेकारी एक आर्थिक समस्या है बच्चे ये जानते हैं। • बेकारी के प्रकारों से विद्यार्थी अवगत हैं। • बेकारी उत्पन्न होने के कारणो से परिचित हैं। • भारत/बिहार सरकार द्वारा चलाये जा रहे सरकारी एवं गैर सरकारी उपायों को बच्चे जानते हैं।	• ग्रामीण/शहरी परिवेश में रहने वाले लोगों में व्याप्त बेकारी के बारे में बच्चों से विचार–विमर्श कर सकते हैं। • बेकारी के प्रकारों को श्यामपट्ट पर दर्शा कर विद्यार्थियों से इसपर चर्चा किया जा सकता है। • भारत एवं बिहार में ग्रामीण तथा शहरी बेरोजगारी के अंतर को सूचीबद्ध करके श्यामपट्ट पर अंकित कर सकते हैं। • भारत/बिहार में व्याप्त बेकारी के कारणों को चार्ट द्वारा बनाकर बच्चों से बातचीत किया जा सकता है। • बेकारी को दूर करने के सरकारी एवं गैर सरकारी उपाय के बारे में बच्चों से विमर्श कर सकते हैं। • बेकारी का व्यक्ति के जीवन में सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव पड़ता है इसपर बच्चों से विचार–विमर्श कर सकते हैं।	2 कार्य दिवसों में
• भारत एक कृषि प्रधान देश है बच्चे ये जानते हैं। • बच्चों को कृषि के विभिन्न प्रकार एवं देश के विभिन्न भागों में	**पाठ – 5 कृषि, खाद्यान्न सुरक्षा एवं गुणवत्ता**	• कृषि कार्य के बारे में बताते हैं। • कृषि करने के तरीके के आधार पर कृषि को वर्गीकृत करते हैं।	• शिक्षक विद्यार्थियों से कृषि एवं कृषि कार्य के बारे में बातचीत करें। बातचीत के बाद बच्चों को कृषि कार्य के बारे में स्पष्टता से जानकारी दे सकते हैं। • कृषि करने के तरीके के आधार पर वर्गीकरण करते हुए कृषि तकनीक पर भी बातचीत कर सकते हैं।	2 कार्य दिवसों में

पैदा की जाने वाली फसलों के अंतर की जानकारी हैं। • विद्यार्थी खाद्यान्न के स्त्रोत, गुणवत्ता एवं राष्ट्रीय मिशन के बारे में परिचित हैं। • बच्चे खाद्य सुरक्षा में सरकारी एवं गैर सरकारी योगदान के बारे में अवगत हैं।		• फसल ऋतुओं की जानकारी है। खरीफ, और रबी फसलों को सूचीबद्ध करते हैं। • खाद्यान्न के स्रोत और उसकी गुणवत्ता को बताते हैं। • गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार क्या करती है ये बताते हैं।	• बिहार में कृषि का क्या महत्व है इसे बच्चों को स्वमुल्यांकन के जरिये स्पष्ट कर सकते है। • बिहार में कृषि के पिछड़ेपन के कारण एवं उन्हें दूर करने के उपाय के बारे में बच्चों से विमर्श कर सकते हैं। • ऋतुओं के अनुसार फसल के प्रकार को सूचीबद्ध करके बच्चों को इसकी जानकारी देंगे और उनसे समूह काम करवा सकते हैं। • विद्यार्थियो सें खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता पर विचार विमर्श कर सकते है एवं पाठ्यपुस्तक की मदद से खाद्य सुरक्षा मिशन के बारे में बताते हैं। • पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र एवं तालिका के द्वारा बच्चों को बता सकते हैं कि अकाल के दौरान उपज में कितनी कमी आई। • गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार द्वारा क्या योजना बनाई गई है ये चार्ट द्वारा बच्चों को बता सकते हैं।	
• कृषि कार्य करने वाले अर्थात कृषक मजदूर को बच्चे जानते हैं। • विद्यार्थी कृषक मजदूरों को वर्गीकृत कर पाते हैं। • बिहार में कृषक मजदूरों की क्या समस्याएँ है ये बच्चे जानते हैं। • बिहार से कृषक	**पाठ – 6 कृषक मजूदर**	• कृषि कार्य करने वाले मजदूरों के बारे में बताते हैं। • बिहार में कृषक मजदूरों की दयनीय अवस्था के कारण को बताते हैं। • बिहार से कृषक मजदूरों का पलायन कब, कहाँ	• कृषि कार्य करने वाले मजदूरों के बारे में अपने माता–पिता तथा आस–पास के गाँव/शहर में चर्चा कर सकते हैं। • प्रथम कृषि जाँच समिति रिपोर्ट के अनुसार शिक्षक बच्चों को कृषि मजदूर के अर्थ को स्पष्ट करते हैं। • बिहार के आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर तालिका बनाकर बिहार के कृषक मजदूरों के अनुपात को बच्चों को बता सकते हैं। • पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र के अनुसार शिक्षक बिहार के कृषक मजदूरों की दशा को बच्चों को बता सकते हैं।	2 कार्य दिवसों में

मजदूरों का पलायन क्यों हो रहा है इन तथ्यों से बच्चे अवगत हैं। • सरकार द्वारा कृषक मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए जो कदम उठाए गए है ये बच्चे जानते हैं।		और क्यों हो रहा है ये बच्चों को बताते हैं। • कृषकों मजदूरों के पलायन को दूर करने के लिए जो योजनाएँ चलायी जा रही है उसे बच्चे जानते हैं।	• कृषक मजदूरों के समस्या को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखकर बच्चों को बता सकते हैं। • कृषक मजदूरों के पलायन को पाठ्यपुस्तक में दिए चित्र से बच्चों को स्पष्ट कर सकते हैं। • सरकार ने कृषक मजदूरों की समस्या को दूर करने के लिए जो प्रयास किए हैं उसे मासिक पत्रिका (योजना एवं कुरूक्षेत्र) के तहत बच्चों को बता सकते हैं। • बच्चों से खुद के अनुभव के आधार पर प्रोत्साहित किया जा सकता है कि वो कृषक मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए क्या कर सकते हैं।	

सामाजिक विज्ञान

लेखन

नाम	विद्यालय/संस्थान का नाम
डॉ0 रत्ना घोष	प्राचार्य (सेवानिवृत्त), डायट, गया
अरबिंद कुमार	एम0 एस0 गुरारू मिल, गया
ज्ञान रंजन	इंटर स्तरीय प्रवेशिका विद्यालय, शकूराबाद, जहानाबाद
नाहिदा प्रविण	यू0 एम0 एस0 खासपुर, नौबतपुर, पटना
अंजनी कुमार	एम0 आर0 माला बालिका म0 वि0, गया
सीमा कुमारी	अनुग्रह नारायण सर्वोदय उच्च विद्यालय उसफा, पटना
रवि रंजन	एम0 एस0 एस0 डी+2 उच्च वि0, चक्की, बक्सर
डॉ0 अविनाश कुमार पांडेय	मध्य विद्यालय थनुआ, शिवसागर, रोहतास
मो0 इमाम अली अंसारी	म0 वि0 नथुनी अहीर के डेरा डुमराँव, बक्सर
डॉ0 मनीषा प्रियम्बदा	डायट, दीघी, वैशाली
संगीता कुमारी	पटना हाई स्कूल, गर्दनीबाग, पटना
डॉ0 नवीन प्रसाद	एस0 बी0 एम0+2 विद्यालय मांदिल, जहानाबाद
डॉ0 राकेश चन्द्र प्रसाद राय	शहीद रामानन्द+2 उच्च विद्यालय लखना, पटना

अकादमिक सहयोग–राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार के संकाय सदस्य

- डॉ0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
- डॉ0 रश्मि प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डॉ0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी, शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डॉ0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग

- डॉ0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक, कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 अर्चना, प्रभारी, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभा रानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभा रानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना